ज्येष्ठ शुक्ल - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 319 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 17-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल में जबरन वसूली का धंधा फल-फूल रहा है : मजूमदार

6 फिर आतंकी हमले, कायम हो शांति का उजाला

7 पाकिस्तान की प्रगति के लिए लोग चाहते हैं कि इमरान को पांच साल जेल में रखा जाए

फर्स्ट टेक

बिहार में नाव पलटी, 13 को बचाया, चार लापता

पटना/भाषा। बिहार के पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल में उमानाथ गंगा घाट के पास रविवार सुबह एक नौका हादसे के बाद 13 व्यक्तियों को बचाया गया है, जबकि और चार अभी भी लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पटना जिला प्रशासन ने एक बयान में कहा, अब तक 13 लोगों को बचा लिया गया है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो तैरकर किनारे तक पहुंचने में सफल रहे। चार लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है। बाढ़ के उपसंभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) शुभम कुमार ने संवाददाताओं को बताया, यह हादसा उमानाथ गंगा घाट के पास सुबह करीब सवा नौ बजे उस समय हुआ, जब 17 लोगों को ले जा रही नाव बीच नदी में पलट गई। अब तक 13 लोगों को बचा लिया गया है, चार अब भी लापता हैं।

इजराइली सेना ने गाजा में सामरिक विराम की घोषणा

यरूशलम/एपी। इजराइली सेना ने रविवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के एक मार्ग पर 11 घंटे तक सामरिक विराम का एलान किया है, ताकि फलस्तीनियों को राहत-सामग्री पहुंचाई जा सके। यह सामरिक विराम रफह क्षेत्र के लगभग 12 किलोमीटर के मार्ग पर लागू किया जाएगा, हालांकि ये पूर्ण युद्ध विराम के समान नहीं है। जबकि, अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां सहित इजराइल के शीर्ष सहयोगी उससे हमास के साथ युद्ध विराम पर समझौता करने का अनुरोध कर रहे हैं। सामरिक विराम के लागू होने से भुखमरी से जूझ रहे फलस्तीनियों की कुछ अत्यधिक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिल सकती है।

रूसी बलों ने हिरासत केन्द्र पर धावा बोला

मॉस्को/एपी। रूस के सुरक्षाबलों ने दक्षिणी रूस में स्थित एक हिरासत केंद्र पर रविवार को धावा बोला जिसमें दो कर्मचारियों को बंधक बनाने वाले कैदी मारे गए। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'रिया नोवोस्ती' ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी ने रूस की संघीय दंड सेवा के हवाले से बताया कि 'रोस्तोव-ऑन-डॉन' में हिरासत केन्द्र में बंधकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। एक अन्य स्थानीय समाचार संस्था ने कहा कि कुछ कैदी मारे गए हैं। इससे पहले सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने कानून प्रवर्तन से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि रोस्तोव क्षेत्र के हिरासत केंद्र नंबर 1 के केंद्रीय प्रांगण में बंधक बनाने वाले छह लोग थे और उनके पास चाकू और अन्य हथियार थे। कैदियों में इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े होने के आरोपी भी शामिल हैं।

17-06-2024 सूर्यास्त 6:47 बजे | 18-06-2024 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
76,992.77	23,465.60
(+181.88)	(+66.70)

सोना	चांदी
7,380 रु.	91,100 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फैक मिडिया

सबसे घातक सोशल मिडिया,
जो बढ़ा रहा अपराध रोज।
कुछ भी कर दे अपराध कोई ,
कर नहीं पा रहे उसे खोज।
हो रहे भ्रमित पढ़ फेक न्यूज़,
कर रहे धूर्त सब गिद्ध भोज।
वैमनस्य घृणा आतंक द्वेष,
फैलाने वाले करे मौज।।

भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा संसद भवन का प्रेरणा स्थल : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली /एजेन्सी। सत्रहवीं लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि मौजूदा समय में संसद भवन के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है और इसी के तहत परिसर में अलग-अलग जगहों पर लगी हुई महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाकर प्रेरणा स्थल (बीजी-7, संविधान सदन के सामने) बनाया गया है, जो वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा।

बिरला ने रविवार को यहां बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसके संसद का आने वाले समय में विश्व का सबसे अच्छा संसद भवन परिसर होगा। इसको लेकर कई बदलाव किये जा रहे हैं। इसी बदलाव के तहत संसद भवन में अलग-अलग स्थानों में लगी महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाया गया है और उस स्थल का नाम प्रेरणा स्थल रखा गया है, जो वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा। उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल संसद भवन को देखने आने वाले लोगों को रोमांचित करेगा क्योंकि अब उन्हें यहां प्रत्येक महापुरुषों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रेरणा स्थल पर लगी हरेक महापुरुष की प्रतिमा के साथ उनके बारे जानकारी उपलब्ध करायी गयी है।

इस दौरान उन्होंने संसद भवन लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं को हटाने के विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, संसद भवन में लगी किसी भी महापुरुष की प्रतिमा को हटाया नहीं गया है, बल्कि संसद भवन में अलग-अलग जगहों पर लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लाकर उनके बारे में लोगों की विस्तृत रूप से जानकारी मुहैया कराने का काम किया गया है। अब आगंतुक प्रत्येक प्रतिमा के पास ही उस महापुरुष की कीर्ति और शौर्य के बारे में जानकारी हासिल कर पाएंगे।

संसद भवन परिसर में मूर्तियों की जगह बदलना सरकार की मनमानी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली /एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद भवन परिसर में प्रमुख नेताओं की प्रतिमाओं को उनके मूल स्थान से हटाकर दूसरी जगह स्थापित करने को संसदीय नियमों और परंपराओं का उल्लंघन करार देते हुए कहा है कि इस मामले में सरकार ने किसी से विचार विमर्श किए बिना मनमानी की है।

खरगे ने कहा संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर समेत कई महान नेताओं की मूर्तियों को प्रमुख स्थानों से हटाकर बिना किसी परामर्श के मनमाने ढंग से कोने में स्थापित कर दिया गया है और यह हमारे लोकतंत्र की मूल भावना का उल्लंघन है। पूरे संसद भवन में लगभग 50 ऐसी मूर्तियाँ हैं। संसद भवन परिसर में प्रत्येक मूर्ति का स्थान विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा पुराने संसद भवन के ठीक सामने स्थित ध्यान मुद्रा में महात्मा गांधी की प्रतिमा भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अत्यधिक महत्व रखती है। सदस्यों ने अपने भीतर महात्मा की भावना को आत्मसात करते हुए उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह वह स्थान है जहां सदस्य अक्सर अपनी उपस्थिति से शक्ति प्राप्त करते हुए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन करते थे। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा भी एक सुविधाजनक स्थान पर रखी गई थी। बाबा साहब की यह मूर्ति सांसदों की पीढ़ियों को संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतों को दृढ़ता से बनाए रखने का संदेश देती है।

कश्मीर में आतंकवाद को जड़ से मिटायेगी सरकार : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में है तथा आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से अब छद्म लड़ाई तक सिमट गया है लेकिन सरकार इसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं।

शाह ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के मद्देनजर रविवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केन्द्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति तथा आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

गृह मंत्री ने एजेंसियों को जम्मू में 'एरिया डॉमिनेशन प्लान' और 'ज़ीरो टेरर प्लान' के माध्यम से कश्मीर घाटी में हासिल की गई सफलताओं को दोहराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार नये तरीकों से आतंकियों पर कार्रवाई कर मिसाल बनाने के लिए कटिबद्ध है। गृह मंत्री ने सभी एजेंसियों को मिशन मोड में काम करने और समन्वित तरीके से त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर बल दिया।

शाह ने कहा, जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में है। हाल ही में हुई घटनाएं बताती हैं कि आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से सिमट कर छद्म लड़ाई तक सीमित होने के लिए मजबूर हो गया है लेकिन हम इसको भी जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं।

शाह ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के मद्देनजर यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केन्द्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति तथा आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय पर जोर देते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और उनकी सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान देने पर ज़ोर दिया। गृह मंत्री ने स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने, सुरंगों का पता लगाने और ड्रोन का मुकाबला करने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को केन्द्र सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कहा, जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद के सफाये के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

शाह ने कहा कि केन्द्र सरकार के प्रयासों से कश्मीर घाटी में आतंकी घटनाओं में महत्वपूर्ण कमी के साथ-साथ बड़े पैमाने पर सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का आना वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार को दिखाता है।

इराकी शिया मिलिशिया ने इजरायल पर हमले की ली जिम्मेदारी

बगदाद/एजेन्सी। इराक की एक शिया मिलिशिया ने इजरायल के हाइफा में क्रूज मिसाइल से हुए हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि उसने गाजा पट्टी में लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए यह कदम उठाया और उसने दुश्मन के गढ़ों पर अपने हमले जारी रखने का संकल्प लिया। रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक के नाम से मशहूर मिलिशिया ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने शनिवार तड़के लंबी दूरी की अल-अरकब अपग्रेडेड क्रूज मिसाइल से हाइफ़ा में एक स्थान पर हमला किया। इसने लक्षित स्थान या किसी भी हताहत के बारे में कोई और विवरण नहीं दिया।

यूक्रेन संघर्ष के हल के लिए 'ईमानदार' कोशिश हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने स्विट्जरलैंड में यूक्रेन मुद्दे पर आयोजित दो दिवसीय वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन में इस संकट के समाधान के लिए संवाद एवं कूटनीति की बात दोहराई और दोनों पक्षों के बीच ईमानदाराना एवं व्यावहारिक प्रयास किये जाने पर बल दिया। विदेश मंत्रालय ने रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि बर्गेनस्टॉक में 15-16 जून को स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित यूक्रेन में शांति पर शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन और समापन पूर्ण सत्र में भाग लिया। पर भारत ने इस शिखर सम्मेलन से निकली किसी भी विज्ञप्ति/दस्तावेज़ से स्वयं को संबद्ध नहीं किया।

विज्ञप्ति में कहा गया कि शिखर सम्मेलन में, भारत की भागीदारी, यूक्रेन के शांति फॉर्मूला पर आधारित पिछली एनएसए/ राजनीतिक निदेशक-स्तरीय बैठकों में भारत की भागीदारी, बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी एवं शांतिपूर्ण समाधान के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप थी। भारत ने यह भी कहा कि हमारा मानना है कि इस तरह के समाधान के लिए संघर्ष के दोनों पक्षों के बीच ईमानदार और व्यावहारिक जुड़ाव की आवश्यकता होती है। इस संबंध में, भारत शीघ्र और स्थायी शांति लाने के लिए सभी ईमानदार प्रयासों में योगदान देने के लिए सभी हितधारकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के साथ जुड़ा रहेगा।

ईवीएम से छेड़छाड़ के दावों को लेकर नया राजनीतिक वाकयुद्ध

निर्वाचन आयोग ने अखबार को मानहानि नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/मुंबई/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावों को लेकर रविवार को एक नया राजनीतिक वाकयुद्ध शुरू हो गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने मीडिया की एक खबर का हवाला दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था, जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था।

हालांकि, निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने 'मिड-डे' अखबार की खबर को झूठी खबर करार देते हुए खारिज कर दिया और कहा कि प्रकाशन को मानहानि का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईवीएम एक स्वतंत्र प्रणाली है, जिसे 'प्रोग्राम' नहीं किया जा सकता और इसमें वायरलेस से संचार स्थापित नहीं किया जा सकता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मुद्दे पर विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा और मांग की कि निर्वाचन आयोग को उन सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाना चाहिए जिन्होंने खबर को साझा करके ''झूठ को बढ़ावा दिया।''

एलन मस्क ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर फिर से छेड़ दी बहस

नई दिल्ली/एजेन्सी। बिजनेस टायकून और निवेशक एलन मस्क ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता को लेकर पहले से चल रही बहस के बीच ईवीएम को खत्म करने का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव से इन मशीनों को हैक किए जाने का जोखिम अभी भी अधिक है।

मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में ईवीएम को खत्म करने का आह्वान करते हुए कहा, भले ही यह छोटा हो, लेकिन मानव या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा ईवीएम को हैक करने का जोखिम अभी भी अधिक है।

पूर्व मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मस्क के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा

यह एक बहुत बड़ा, व्यापक कथन है, जिसका अर्थ है कि कोई भी सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर नहीं बना सकता 'गलत।' एलन मस्क का दृष्टिकोण अमेरिका और अन्य स्थानों पर लागू हो सकता है, जहां वे इंटरनेट से जुड़ी वोटिंग मशीनों के निर्माण के लिए नियमित रूप से इस्तेमाल होने वाले कंप्यूट प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हैं। लेकिन, भारतीय ईवीएम कस्टम डिज़ाइन किए गए हैं, सुरक्षित हैं और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से अलग हैं। भारतीय ईवीएम की किसी भी नेटवर्क से कोई कनेक्टिविटी नहीं होती है। यह न तो ब्लूटूथ न वाईफ़ाई और न ही इंटरनेट से कनेक्ट होता है। इसका मतलब है कि यहां के ईवीएम में छेड़छाड़ होने का कोई रास्ता नहीं है। फ़ैक्टरी प्रोग्राम्ड कंट्रोलर फिर से प्रोग्राम नहीं किया जा सकता है।

वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर की टीम ने रविवार को बसवनगुड़ी के कृष्णराव पार्क के पास जंक्शन पर वृक्षारोपण अभियान के तहत 15 पेड़ लगाए। संस्था की चेयरपर्सन भारती छाजेड तलेसरा ने इस वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरण को बचाने की पहल में भाग लिया। अभियान के संयोजक व मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया ने बताया कि इस अभियान को हसीरू राटा टीम ने समर्थन दिया।

हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर संसद परिसर में मूर्तियों का स्थानांतरण किया गया: ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद संसद परिसर में स्थित स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय प्रतीकों की मूर्तियों को परिसर में ही एक नए परिसर 'प्रेरणा स्थल' में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मूर्तियों का स्थानांतरण सौंदर्यीकरण की कवायद के तहत किया गया है।

बिरला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मूर्तियों के स्थानांतरण पर विभिन्न हितधारकों के साथ समय-समय पर विचार-विमर्श किया जाता है, क्योंकि ऐसे निर्णय लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

जब मूर्तियों के स्थानांतरण को लेकर विपक्ष की आलोचना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कोई भी मूर्ति हटाई नहीं गई है, इन्हें दूसरी जगह स्थापित किया गया है। इस पर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, समय-समय पर मैं विभिन्न हितधारकों के साथ इन मुद्दों पर चर्चा करता रहा हूं। लोगों का मानना था कि इन मूर्तियों को एक स्थान पर रखने से उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी का बेहतर तरीके से प्रसार करने में मदद मिलेगी।

महात्मा गांधी और बी आर आंबेडकर की मूर्तियां पहले संसद परिसर में प्रमुख स्थानों पर स्थित थीं, जहां विपक्षी नेता सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र होते थे।

बिरला ने कहा कि प्रेरणा स्थल पूरे वर्ष आगंतुकों के लिए खुला रहेगा और राष्ट्र निर्माण में नेताओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए स्मृति दिवसों का आयोजन करेगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, इन महान भारतीयों की जीवन गाथाओं और संदेशों को नई प्रौद्योगिकी के माध्यम से आगंतुकों तक पहुंचाने के लिए एक कार्य योजना बनाई गई है।

बिरला ने कहा कि नए संसद भवन के निर्माण कार्य के दौरान महात्मा गांधी, मोतीलाल नेहरू और चौधरी देवीलाल की मूर्तियों को परिसर के भीतर अन्य स्थानों पर ले जाया गया। उन्होंने कहा कि प्रेरणा स्थल पर मूर्तियों के चारों ओर लॉन और उद्यान बनाए गए हैं, ताकि आगंतुक आसानी से उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें और क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके जानकारी प्राप्त कर उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा पूरे संसद परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाले जाने के बारे में पूछे जाने पर बिरला ने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया, ताकि एक एजेंसी की जवाबदेही तय की जा सके। उन्होंने कहा कि इससे पहले संसद की सुरक्षा सेवा, दिल्ली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल संसद परिसर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे और जिम्मेदारियों में कुछ समानताएं थीं।

तेयुप राजाजीनगर की षष्ठम कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश गन्ना की अध्यक्षता में सत्र 2023-24 की अंतिम षष्ठम कार्यसमिति बैठक तेरापंथ भवन राजाजीनगर में हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन निवर्तमान अध्यक्ष अरविंद गन्ना ने किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। सहमंत्री प्रथम जयंतीलाल गांधी ने गत पंचम कार्यसमिति की बैठक का वाचन करते हुए उपस्थित सदन से पारित करवाया। तेयुप मंत्री कमलेश चौरडिया ने मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष अजिंक्या चौधरी ने आय व्यय का लेखा-जोखा पेश किया। कार्यसमिति सदस्यों ने आखिरी कार्यकारिणी बैठक में अपने विचार एवं अनुभव व्यक्त किए। इस अवसर पर परामर्शक प्रवीण नाहर, प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी सदस्य की उपस्थिति रही। बैठक का संचालन मंत्री कमलेश चौरड़िया ने किया और जयंतीलाल गांधी ने धन्यवाद दिया।

मुंबई की निर्वाचन अधिकारी ने मोबाइल फोन-ईवीएम लिंक पर खबर का खंडन किया, झूठी खबर बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक स्वतंत्र प्रणाली है, जिसे अनलॉक (खोलने) करने के लिए ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) की जरूरत नहीं होती। यह बात एक निर्वाचन अधिकारी ने रविवार को कही।

मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी, मिड-डे समाचार पत्र में प्रकाशित एक खबर पर प्रतिक्रिया दे रही थीं, जिसमें कहा गया है कि शिवसेना उम्मीदवार रवीन्द्र वायकर के एक रिश्तेदार ने 4 जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था, जो ईवीएम से जुड़ा था।

सूर्यवंशी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ईवीएम एक स्वतंत्र प्रणाली है और इसे अनलॉक करने के लिए ओटीपी की कोई जरूरत नहीं है। हमने मिड-डे अखबार को भारतीय दंड संहिता की धारा 499, 505 के तहत मानहानि और झूठी खबर फैलाने के लिए एक नोटिस जारी किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि वायकर के रिश्तेदार मंगेश पांडिलकर पर 4 जून को आम चुनाव के परिणाम घोषित होने के दिन मतगणना केंद्र पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के आरोप में बुधवार को एक मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, मतदान कर्मी दिनेश गुरव की शिकायत पर पांडिलकर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक निर्दलीय उम्मीदवार ने मतगणना केंद्र पर मोबाइल फोन पर प्रतिबंध के बावजूद पांडिलकर को मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते देखा और निर्वाचन अधिकारी को इसकी जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारी ने वनराई पुलिस से संपर्क किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने के अभियान की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में अलग-अलग चरणों में 51 लाख पौधे लगाने के महत्वाकांक्षी अभियान की रविवार को शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर पौधे लगाकर हरित आवरण में वृद्धि करना समय की मांग है।

यादव ने ''अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम'' अभियान की एक पौधा लगाकर औपचारिक शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर आयोजित भव्य समारोह में कहा कि आने वाले दिनों में पूरे प्रदेश में 5.50 करोड़ पौधे लगाने की योजना बनाई गई है और यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि इनमें से 51 लाख पौधे अकेले इंदौर में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के मौजूदा हालात के मद्देनजर बड़े पैमाने पर पौधारोपण करके हरित आवरण बढ़ाया जाना बेहद जरूरी है।

यादव ने कहा, विकास की अंधाधुंध दौड़ के कारण बढ़ते प्रदूषण से ओजोन परत को नुकसान हो रहा है। इस वजह से मनुष्यों के साथ ही प्रकृति का भी स्वास्थ्य बिगड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ''अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के वास्ते 10 करोड़ रुपए इंदौर नगर निगम के जरिये प्रदान किए जाएंगे और 10 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद वन विभाग मुहैया कराएगा।

सूबे के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि सरकार और आम नागरिकों की भागीदारी से चलने वाले इस पौधारोपण अभियान की शुरुआत सात जुलाई से होगी और यह मुहिम 14 जुलाई को समाप्त होगी। उन्होंने कहा, इस आठ दिवसीय अभियान के दौरान कुल 51 लाख पौधे लगाए जाएंगे। अभियान के अंतिम दिन 14 जुलाई को 11 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इस कारनामे को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने की कोशिश भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री यादव ने अपने इंदौर दौरे में स्थानीय सांसद शंकर लालवानी के सुझाए अभियान ''हेल्दी मध्यप्रदेश इनिशिएटिव'' की भी शुरुआत की। इस अभियान के तहत सूबे के लाखों युवाओं की स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

इससे पहले, यादव ने राज्य सरकार के ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के तहत इंदौर के भंवरासला तालाब के विकास के लिए श्रमदान के कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार ने 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि मंजूर की है।

मायुम बेंगलूरु के दो रक्तदान शिविर में 124 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच की बेंगलूरु शाखा ने रविवार को नारायणा हृदयालय ब्लड बैंक के सहयोग से शहर के 2 अपार्टमेंट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पहला आयोजन मैसूरु रोड के नायदनहल्ली स्थित सलारपुरिया डिविनिटी अपार्टमेन्ट के क्लब हाउस में सलारपुरिया डिविनिटी अपार्टमेन्ट ऑनर्स एसोसिएशन के सहयोग से किया गया, जिसमें कुल मिलाकर 86 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ।

दूसरा रक्तदान शिविर कनकपुरा रोड के उदयापुरा स्थित ब्रिगेड मिडोज अपार्टमेन्ट के क्लब हाउस में ब्रिगेड मिडोज अपार्टमेन्ट ऑनर्स एसोसिएशन के सहयोग से हुआ जिसमें कुल मिलाकर 38 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ।

इन रक्तदान शिविर समारोह में मंच के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी रक्तदाताओं का स्वागत किया। सचिव शुभम लोहिया ने आज की परिस्थिति में रक्तदान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल सभी रक्तदाताओं को रक्तदान के बाद आभार पत्र के साथ फलों का जूस और बिस्किट का वितरण कराया। संयोजक गौरव शर्मा ने रक्तदान शिविर की रुपरेखा बताई और साथ में भविष्य के होने वाले रक्तदान शिविर की जानकारी दी। इन दोनों रक्तदान शिविर में दोनो अपार्टमेन्ट के निवासियों ने बढ़चढ़ कर भाग किया।

इस अवसर पर मायुमं बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, शाखा उपाध्यक्ष गोपाल कुमार और सुशील सैनी सहित शाखा के वरिष्ठ सदस्य पवन राजलीवाल और शाखा सदस्य बरूण अग्रवाल, वैभव खंडेलवाल, सन्नी जैन, कन्हैया अग्रवाल, विवेक खंडेलवाल, हितेश पोद्दार, एकता खंडेलवाल आदि उपस्थित थे। नारायणा हृदयलय की पूरी टीम ने दोनों ही शिविर के सफल आयोजन के लिए मंच अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू को आभार पत्र भेंट किया।

धन के साथ साथ पुण्य व धर्म का भी अर्जन करें : साध्वी धैर्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन जैन स्थानक में विराजित साध्वीश्री धैर्याश्रीजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का मनुष्य अपने जीवन का अधिकतर समय धन कमाने में लगा देता है और अंत में वह सारा धन इस धरा पर ही रह जाता है उस व्यक्ति के पास साथ कुछ नहीं जाता।

हम जो भी कमाते है वह सारा यहीं छूट जाने वाला है और आखिर खाली हाथ जाना है, पर हमारा कितना लोभ बढ़ता जाता है। अगर उसी जगह पर हमारे जीवन में संतोष धन आ जाए तो सारे धन का कोई मूल्य नहीं है । इस जीवन के बाद संतोष, धर्म और पुण्य ही साथ जाने वाले है। साध्वी आगमश्रीजी ने एक दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि एक फूल होता है उसको देखने के बाद हमारे जीवन में मुस्कुराहट आती है हर कोई उसे फूल को देखने के बाद कहता है इतना अल्प जीवन होने के बाद भी आप कितनी मस्ती में रहते हो कितने मुस्कुराते हो इसका राज क्या है, फूल कहता है भाई जो भी मेरे पास में आता है मुझे देखने के बाद उसके मुंह पर हंसी और प्रसन्नता देखने के बाद मैं तो चला जाता हूं और लोगों को एक खुशी देकर जाता हूं । मुस्कान का असर हमारे स्वास्थ्य पर होता है, हमारे मानसिकता पर होता है, हमारे परिवार पर होता है, पर आज मानव मुस्कुराना भूल गया है इस कारण सारी बीमारियां लग गई है।

साध्वीश्री ने कहा कि रियल मुस्कुराहट चाहिए उसके लिए सवेरे जल्दी उठाओ, खुश रहो, सजकता से जीवन जीयो, हर कार्य एकाग्रता से तन्मयता से करो। साध्वीश्री ने कहा कि चिंता नहीं अपितु चिंतन करना चाहिए। अगर रियल जिंदगी जीना है तो मोबाइल को दूर रख दो, कुछ समय के लिए अपने परिवार से मिलो, देखो कितना आनंद आता है।

कोई भी इस तरह की अभूतपूर्व गर्मी के लिए तैयार नहीं है: सुनीता नारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जानीमानी पर्यावरणविद सुनीता नारायण ने कहा है कि भारत गर्मी के इस मौसम में अभूतपूर्व तपिश से जूझ रहा है और कोई भी इस स्तर की गर्मी के लिए तैयार नहीं है।

नारायण ने एक ताप सूचकांक और आधुनिक शहरों के डिजाइन के तरीके में पूर्ण बदलाव की आवश्यकता पर भी बल दिया।

विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सीएसई) की महानिदेशक नारायण ने यहां 'पीटीआई-संपादकों' के साथ बातचीत में कहा कि भारत के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी प्राकृतिक रूप से घटित होने वाली अल नीनो घटना और जलवायु परिवर्तन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्री सतह असामान्य रूप से गर्म होने को अल नीनो कहते हैं। उन्होंने कहा, कोई भी तैयार नहीं है। हमें बहुत स्पष्ट रहना चाहिए। वर्ष 2023 वैश्विक स्तर पर सबसे गर्म वर्ष था। हमने पिछले 45 दिनों में 40 डिग्री से ऊपर के तापमान के साथ हर रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह जलवायु परिवर्तन है। इस साल (2023-24) अल नीनो के कम होने से यह और भी जटिल हो गया है। इसका मतलब है कि हमें वास्तव में अपने कृत्यों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि जोखिम वाले समुदाय कम प्रभावित हों। नारायण ने एक ताप सूचकांक विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो मापता है कि सापेक्ष आर्द्रता को हवा के तापमान के साथ मिलाने पर मानव शरीर को कैसा तापमान महसूस होता है। उन्होंने कहा, हमें अपने फोन पर मौजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक के समान ताप सूचकांक की आवश्यकता है। एक्यूआई आपको वायु प्रदूषण के स्तर और आपके स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में बताता है। यह जुड़ाव यह जानने के लिए आवश्यक है कि क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। याद रखें, गर्मी केवल तापमान के बारे में नहीं है, यह आर्द्रता के बारे में भी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पिछले साल अप्रैल में देश के विभिन्न हिस्सों के लिए एक प्रायोगिक ताप सूचकांक जारी करना शुरू किया था।

बजट में निचले स्लैब के लोगों के लिए आयकर राहत के उपाय जरूरी : सीआईआई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि 2024-25 के आगामी पूर्ण बजट में मुद्रास्फीति के उच्चस्तर को देखते हुए सबसे निचले स्लैब के लोगों के लिए आयकर राहत पर विचार करने की आवश्यकता है।

पुरी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में भूमि, श्रम, बिजली और कृषि से संबंधित सभी सुधारों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति बनाने को एक संस्थागत मंच बनाने का भी सुझाव दिया।

उद्योग मंडल ने कहा कि उसे नहीं लगता कि गठबंधन राजनीति की मजबूरियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सुधारों में बाधक बनेंगी। इसके बजाय उसका मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन और पिछले दो कार्यकाल में नीतियों की सफलता इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आधार तैयार करेगी।

वित्त वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट से उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर पुरी ने कहा, मोटे तौर पर, मैं इस समय कहूंगा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय, राजकोषीय प्रगति पथ का पालन, सामाजिक बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए रूपरेखा, हरित कोष और ग्रामीण क्षेत्र में अधिक निवेश...ये व्यापक सिद्धान्त हैं।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में रविवार को भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज दिल्ली में पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन करती हुई।

पुष्पांजलि

विजयपुर जिले के चाडचना तालुक में रविवार को नव स्थापित क्रांतिवीर संगोल्ली रायण्णा एवं रानी चेन्नम्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री सिद्दरामैया।

रेणुकास्वामी हत्याकांड

आरोपी के पिता की दिल का दौरा पड़ने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्ग। रेणुकास्वामी हत्याकांड के एक आरोपी के पिता की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस हत्याकांड में कन्नड़ अभिनेता दर्शन और उनकी मित्र अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा मुख्य आरोपी हैं। इस मामले में पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में सातवें नंबर के आरोपी अनुकुमार के पिता चंद्रप्पा की शुक्रवार को मौत हो गई। परिवार के सूत्रों ने बताया कि बेटे की गिरफ्तारी के बाद से ही चंद्रप्पा अवसाद में थे।

सूत्रों ने बताया कि अनुकुमार की मां ने इस बात की जिद की कि पिता के अंतिम संस्कार के दौरान अनुकुमार को मौजूद रहना चाहिए, इसलिए पुलिस ने शनिवार देर रात अदालत से अनुमति ली और उसको कड़ी सुरक्षा के बीच बेंगलूरु से चित्रदुर्ग लाया गया।

उन्होंने कहा, आरोपी के पिता चंद्रप्पा की शुक्रवार शाम दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। अनुकुमार की मां और परिवार के अन्य सदस्य उसके आने तक शव न लेने की बात पर अड़े रहे। बेंगलूरु पुलिस शनिवार देर रात अदालत से अनुमति लेने के बाद अनुकुमार को लेकर चित्रदुर्ग पहुंची।

अतिरिक्त मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने शनिवार को दर्शन और उनके 12 सहयोगियों की पुलिस हिरासत पांच दिन के लिए बढ़ा दी।

आरोपियों की हिरासत अवधि रविवार को समाप्त हो रही थी। पुलिस ने रेणुकास्वामी की हत्या करने के लिए दर्शन द्वारा आरोपियों को दिए गए 30 लाख रुपये भी बरामद कर लिए हैं। इस बीच, रेणुकास्वामी हत्याकांड की जांच में और भी भयावह खुलासे हुए हैं। जांच से पता चला है कि दर्शन और उसके सहयोगियों ने रेणुकास्वामी को गर्म धातु से दागा था और उसे बिजली का झटका भी दिया था।

'चैलेंजिंग स्टार' के नाम से मशहूर अभिनेता दर्शन, पवित्रा गौड़ा और उनके 12 करीबी सहयोगियों को अभिनेता के 33 वर्षीय प्रशंसक की हत्या के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस ने रेणुकास्वामी के अपहरण में इस्तेमाल कार जब्त की

चित्रदुर्ग। कर्नाटक में रेणुकास्वामी हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस टीम ने अपहरण में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई कार रविवार को जब्त कर ली। इस हत्याकांड में कन्नड़ फिल्म जगत के प्रमुख अभिनेता दर्शन थूगुदीप और उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा मुख्य आरोपी हैं। आरोपियों में से एक रवि ने कथित तौर पर चित्रदुर्ग जिले के अय्यानहल्ली गांव के एक घर में संबंधित कार खड़ी की थी। जिस वक्त कार जब्त की गयी, उस समय फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी वहां मौजूद थे। पुलिस ने रवि के परिवार से भी पूछताछ की और कार से कई चीजें बरामद की गईं। रेणुकास्वामी हत्याकांड के सिलसिले में दर्शन और पवित्रा समेत अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में की गई बढ़ोतरी का रविवार को बचाव करते हुए कहा कि इससे आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं और विकास परियोजनाओं को वित्त पोषण सुनिश्चित होगा।

राज्य में विपक्षी दल भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमश: तीन रुपये और 3.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करने को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की। इसके बाद, मुख्यमंत्री ने कहा कि कीमतों में वृद्धि के बाद भी ईंधन पर कर अधिकांश दक्षिणी राज्यों की तुलना में कम है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने एक बयान में कहा, कर्नाटक सरकार ने पेट्रोल पर वैट (मूल्य वर्द्धित कर) बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत और डीजल पर 18.44 प्रतिशत कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बावजूद भी, अधिकांश दक्षिण भारतीय राज्यों और महाराष्ट्र जैसे समान अर्थव्यवस्था वाले राज्यों की तुलना में ईंधन पर हमारे राज्य में कर कम है। उनके अनुसार, पेट्रोल पर वैट 25 प्रतिशत है और साथ ही 5.12 रुपये अतिरिक्त कर है, जबकि महाराष्ट्र में डीजल पर वैट 21 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक की संशोधित दरें अन्य राज्यों की तुलना में अभी भी अधिक वहनीय हैं।

सिद्दरामैया ने कहा, कर्नाटक का वैट समायोजन सुनिश्चित करता है कि हम आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं और विकास परियोजनाओं के लिए वित्त मुहैया कर सकें। राज्य संतुलित और जिम्मेदार शासन के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैट में वृद्धि के बावजूद कर्नाटक में डीजल की कीमतें गुजरात और मध्य प्रदेश की तुलना में अभी भी कम हैं। उन्होंने विपक्षी भाजपा पर कटाक्ष भी किया जिसने सोमवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, तत्कालीन डबल इंजन वाली भाजपा सरकार ने कर्नाटक के संसाधनों को अन्य राज्यों में भेजने के लिए सांठगांठ की। राज्य की भाजपा सरकार पेट्रोल और डीजल पर वैट घटाती रही, जबकि केंद्र सरकार ने अपने कर बढ़ा दिए। सिद्दरामैया ने कहा कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क 9.48 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 3.56 रुपये था। हालांकि, भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान, पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क मई 2020 में बढ़कर क्रमश: 32.98 रुपये और 31.83 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

उन्होंने कहा कि इसके बाद, नवंबर 2021 और मई 2022 के बीच पेट्रोल और डीजल पर पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: 13 रुपये और 16 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, कटौतियों के बावजूद पेट्रोल पर मौजूदा केंद्रीय उत्पाद शुल्क 19.9 रुपये और डीजल पर 15.8 रुपये है। हम केंद्र सरकार से जनता के हित में इन करों को घटाने का आग्रह करते हैं।

राज्य में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ सिटी रवि के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को चिक्कमगलूर में विरोध प्रदर्शन किया।

कर्नाटक में ईंधन की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ भाजपा करेगी विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। कर्नाटक में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई 17 जून को पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने रविवार को यह जानकारी दी। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को ईंधन पर 'बिक्री कर' बढ़ा दिया है, जिससे पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ गई। बिक्री कर बढ़ने से पेट्रोल की कीमत में तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम में 3.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। विजयेंद्र ने पार्टी के हासन जिला मुख्यालय में 'भाषा' से कहा, हम मुख्यमंत्री से 'बिक्री कर' बढ़ाने के फैसले को तत्काल वापस लेने का आग्रह करते हैं। कल हमने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं और जब तक यह बढ़ोतरी वापस नहीं ली जाती, हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होगा।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि 'हताश मुख्यमंत्री' ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें इसलिए बढ़ा दीं, क्योंकि वह 'पांच गारंटी' के चलते कोई नया कार्यक्रम शुरू करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस सरकार ने ईंधन के दाम बढ़ा दिए। इससे राज्य के सभी वर्गों को परेशानी होगी।

अधिकारियों के अनुसार, ईंधन पर 'बिक्री कर' बढ़ाने का उद्देश्य संसाधन जुटाना है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य के राजस्व सृजन और राजकोषीय स्थिति की समीक्षा की और इस संबंध में निर्णय लिया। वह वित्त मंत्री का भी अतिरिक्त प्रभार निभा रहे हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी लोकसभा चुनाव के नतीजों के कुछ दिनों बाद हुई है। लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को कर्नाटक में 28 में से 19 सीट मिलीं, जिनमें भाजपा को 17 और जनता दल (सेक्युलर) को दो सीट शामिल हैं। राज्य की सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी ने नौ सीट पर जीत हासिल की।

सुरेश गोपी ने इंदिरा गांधी के बारे में की गयी टिप्पणी को लेकर स्पष्टीकरण दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बारे में अपनी टिप्पणी पर विवाद होने के बाद रविवार को स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उन्होंने दिवंगत नेता को देश में कांग्रेस पार्टी की जननी कहा था और मीडिया ने उनकी टिप्पणी की गलत व्याख्या की। अभिनेता से राजनेता बने गोपी ने कहा कि वह अपने दिल की भावनाओं के मुताबिक बात करने वाले व्यक्ति हैं और उनका दृढ़ विश्वास है कि इंदिरा गांधी के बारे में उन्होंने जो कुछ कहा, उसमें कुछ भी गलत नहीं है।

भाजपा नेता ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए संवाददाताओं से पूछा कि क्या वे भाषा के प्रासंगिक अर्थ को नहीं समझते हैं। सुरेश गोपी ने अपनी टिप्पणी को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए कहा, मैंने क्या कहा, जहां तक कांग्रेस का सवाल है...चाहे किसी को पसंद हो या नहीं...के. करुणाकरण केरल में कांग्रेस पार्टी के पिता हैं। भारत में कांग्रेस पार्टी की मां इंदिरा गांधी हैं। मैंने यह बात दिल से कही है।

हालांकि, केंद्रीय पेट्रोलियम और पर्यटन राज्य मंत्री ने रविवार को भी इंदिरा गांधी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी देश की स्वतंत्रता के बाद और अपनी मृत्यु तक भारत की वास्तविक निर्माता हैं। मैं वैसे भी ये श्रेय उन्हें दूंगा ही। मैं उस व्यक्ति को सिर्फ इसलिए नहीं भूल सकता क्योंकि वह राजनीतिक रूप से प्रतिद्वंद्वी पार्टी से थीं, जिन्होंने देश के लिए ईमानदारी से काम किया।

सुरेश गोपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया करार दिया वहीं कांग्रेस के दिवंगत नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण को साहसी प्रशासक बताया। गोपी ने शनिवार को त्रिशूर में पुनकुन्नम स्थित करुणाकरण के स्मारक मुरली मंदिर जाने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने करुणाकरण और मार्क्सवादी नेता ई.के. नयनार को अपना राजनीतिक गुरु भी बताया। गोपी ने कहा कि वह इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया मानते हैं, जबकि करुणाकरण उनके लिए राज्य में कांग्रेस पार्टी के पिता थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि करुणाकरण को केरल में कांग्रेस का पिता बताना दक्षिणी राज्य की सबसे पुरानी पार्टी के संस्थापकों या सह-संस्थापकों के प्रति कोई अनादर नहीं है।

गोपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट जीतकर केरल में भाजपा का खाता खोला है। इस सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय रहा जिसमें कांग्रेस, भाजपा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर देखी गई।

केरल में एक समान 'होली मास' संबंधी परिपत्र जलाए गए

कोच्चि। एर्णाकुलम-अंगामाली आर्चडायोसिस के तहत यहां स्थित विभिन्न कैथोलिक चर्च में रविवार को एक समान 'होली मास' के क्रियान्वयन के संबंध में सिरो-मालाबार चर्च द्वारा जारी 'अल्टीमेटम' के खिलाफ आम लोगों के एक वर्ग द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। कुछ चर्च के परिसर में, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं सहित श्रद्धालुओं ने इस संबंध में सिरो-मालाबार कैथोलिक चर्च के प्रमुख राफेल थाटिल और एर्णाकुलम-अंगामाली आर्चडायोसिस के अपोस्टोलिक एडमिंस्ट्रेटर बोस्को पुथूर द्वारा हाल में जारी किए गए एक परिपत्र की प्रतियां फाड़ दीं। थाटिल एर्णाकुलम - अंगामाली आर्चडायोसिस के प्रमुख आर्चबिशप भी हैं। कुछ अन्य चर्च में, कुछ व्यक्ति परिपत्र को कचरे के डिब्बे में डालते और उसे जलाते हुए भी देखे गए। सिरो-मालाबार चर्च ने हाल में उन पादरियों को कैथोलिक चर्च से बाहर निकालने की चेतावनी दी है।

उद्घाटन

बेंगलूरु में रविवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने होलसेल क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित कपड़ा व्यापारी सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद पीसी मोहन और अन्य लोग मौजूद हैं।

केंद्र सरकार को नीट परीक्षा का बचाव नहीं करना चाहिए: मुख्यमंत्री स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि योग्यता के पैमाने के रूप में पेश की जा रही राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) घोटाला है और केंद्र को इस राष्ट्रीय परीक्षा का बचाव करना बंद कर देना चाहिए क्योंकि यह छात्रों के हितों, सामाजिक न्याय तथा गरीबों के भी खिलाफ है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नीट को लेकर जारी विवाद स्पष्ट रूप से इसकी मूल असमान प्रकृति को उजागर करते हैं। ऐसे समाज में, जिसे हजारों सालों से शिक्षा से वंचित रखा गया है, हमें दबे कुचले लोगों को आगे बढ़ने के लिए अधिक अवसर प्रदान करने चाहिए। इसके उलट, नीट ऐसे छात्रों के अवसरों में बाधा डालता है।

उन्होंने कहा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) का बचाव करने के बावजूद हाल की घटनाएं एक अलग तस्वीर पेश करती हैं। गुजरात पुलिस ने निरीक्षकों पर पैसे लेकर ओएमआर शीट से छेड़छाड़ करने के आरोप पर प्राथमिकी दर्ज की है, इसमें कई करोड़ रुपये के चेक और आठ खाली चेक भी शामिल हैं। एक स्कूल प्रधानाचार्य, एक भौतिकी शिक्षक और नीट परीक्षा की तैयारी कराने वाले कई कोचिंग सेंटर को फंसाने वाली यह साजिश व्यवस्थागत बदलाव की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, शहीद अनीता से लेकर उन अनगिनत छात्रों तक, जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गवां दी।

कुवैत अग्निकांड में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवार को केरल सरकार घर उपलब्ध कराएगी

त्रिशूर। केरल सरकार हाल ही में कुवैत की एक इमारत में लगी भीषण आग में जान गंवाने वाले बिनॉय थॉमस के परिवार को अपनी 'लाइफ मिशन आवास योजना' के तहत एक घर उपलब्ध कराएगी। राज्य सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। थॉमस त्रिशूर जिले के चावक्कड़ के रहने वाले थे। वह एक बेहतर मकान बनाने के अपने परिवार के सपने को पूरा करने के लिए कुछ दिन पहले ही कुवैत गये थे।

राजस्व मंत्री के. राजन और सामाजिक न्याय मंत्री आर बिंदू ने रविवार को उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। दोनों मंत्रियों ने आश्वासन दिया कि सरकार थॉमस के परिवार की देखभाल करेगी और विभिन्न संगठनों द्वारा घोषित सहायता को बिना किसी बाधा के उन तक पहुंचाने में मदद करेगी।

स्वागत

तुमकुरु में रविवार को केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया।

तमिलनाडु में 'छद्म' उम्मीदवार के जरिए उपचुनाव लड़ रहे हैं भाजपा, अन्नाद्रमुक : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु में विक्रवांडी सीट पर 10 जुलाई को होने वाला उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) 'छद्म' (पट्टाली मक्कल काची) उम्मीदवार के जरिए लड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'इंडिया' के घटक दलों को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के उम्मीदवार की शानदार जीत सुनिश्चित करनी चाहिए।

तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक पर उपचुनाव का बहिष्कार करने के लिए निशाना साधते हुए चिदंबरम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, विक्रवांडी उपचुनाव का बहिष्कार करने का अन्नाद्रमुक का फैसला साबित करता है उसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार (पीएमके) की जीत को आसान बनाने के लिए 'शीर्ष स्तर' से निर्देश मिले हैं। भाजपा और अन्नाद्रमुक दोनों ही एक छद्म (पीएमके) उम्मीदवार के जरिए चुनाव लड़ रहे हैं।

इंडिया के घटक दलों को द्रमुक के उम्मीदवार की शानदार जीत सुनिश्चित करनी चाहिए। राज्य के प्रमुख विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने 15 जून को उपचुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की थी और आरोप लगाया था कि सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक 'हिंसा' फैलाएगी और लोगों को 'स्वतंत्र रूप से' मतदान नहीं करने देगी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने 'वृक्ष मित्र सम्मान' प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रकृति और पर्यावरण की भारतीय संस्कृति का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने अधिकाधिक पेड़ लगाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति के आंतरिक संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास की सोच को मूर्त रूप दें। उन्होंने कहा कि वृक्ष एवं वनस्पतियां भूमि को उन्नत और उर्वरा ही नहीं बनाते बल्कि सबका भरण पोषण भी करते हैं।

मिश्र रविवार को कल्पतरू संस्थान द्वारा आयोजित 'वृक्ष मित्र सम्मान समारोह' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्थान की ओर से वृक्ष मित्र के रूप में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक सम्मान के रूप में प्रतिदिन एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने वाली उमा व्यास को सम्मानित किया। उन्होंने वृक्ष मित्र के रूप में पर्यावरण कार्यकर्ता के.पी. कनाल, अशोक थोरात, गौतमराज शर्मा, श्रीमती रेणु राष्ट्रदीप, संदीप, उषा, अंजू चौधरी, ऋषि, रितेश दुबे को सम्मानित किया। उन्होंने वहीं परिंदो के लिए परिण्डा अभियान की भी शुरूआत की।

उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन दृष्टि प्रकृति पूजक रही है। इसके पीछे बड़ा वैज्ञानिक तथ्य यही है कि पारिस्थितिकी संतुलन बना रहे। उन्होंने राजस्थान में खेजड़ली में शमी वृक्ष 'खेजड़ी' के लिए किए गए बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हमारे यहां पेड़ बचाने के लिए लोगों ने अपनी जान की भी परवाह नहीं की है। उन्होंने प्रकृति के पंचभूत तत्वों का उल्लेख करते हुए पेड़ लगाने और उनके संरक्षण के लिए भी सभी को कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने पेड़ों को धरती का शृंगार बताते हुए हरीभरी धरा के लिए सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इतने पेड़ लगे कि पर्यावरण का अपने आप संरक्षण हो। अधिक से अधिक लोग वृक्ष मित्र बनें।

इससे पहले कल्पतरु संस्थान के 'ट्री मैन ऑफ इण्डिया' के रूप में चर्चित विष्णु लाम्बा ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने जयपुर एनवायरमेंट फेस्टिवलप्री लांचिंग के पोस्टर का विमोचन किया। आरंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान बनेगा अग्रणी एवं आत्मनिर्भर : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार त्वरित फैसले ले रही है। राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस एनर्जी स्टेट बनाने के संकल्प को शीघ्र पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने 4 सोलर प्रोजेक्ट के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार बीकानेर जिले में 2450 मेगावाट के 3 सोलर पार्कों की स्थापना के लिए राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कंपनी को कुल 4780 हैक्टेयर तथा फलौदी जिले में 500 मेगावाट के एक सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को लगभग 910 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है।

बीकानेर जिले में एक-एक हजार मेगावाट के दो तथा 450 मेगावाट का एक सोलर पार्क स्थापित किया जायेंगा। पहले सोलर पार्क के लिए पूगल तहसील के ग्राम सूरासर में लगभग 1881 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है। इसी तरह एक हजार मेगावाट के दूसरे सोलर पार्क के लिए दो हजार हैक्टेयर भूमि आवंटित की जायेंगी जिसमें से 1194 हैक्टेयर भूमि सूरासर तथा लगभग 807 हैक्टेयर भूमि गांम भणावतावाला में स्थित है।

इसी प्रकार बीकानेर जिले में ही 450 मेगावाट के तीसरे सोलर पार्क की स्थापना हेतु छत्तरगढ़ तहसील के ग्राम सरदारपुरा में 900 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है। ये सोलर पार्क राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय (केन्द्र सरकार) की सौर पार्क योजना के अन्तर्गत 3 चरणों में विकसित किये जायेंगे। शर्मा ने इसके साथ ही एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को 500 मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए फलौदी जिले की बाप तहसील में ग्राम भड़ला में 910 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इन सोलर प्रोजेक्ट्स के माध्यम से राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का हमारा संकल्प साकार होगा और ये प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होने के साथ ही क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। शर्मा ने कहा कि ये सोलर प्रोजेक्ट्स पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएंगे और सालाना लगभग 2 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। इन सोलर पार्क्स में अत्याधुनिक सौर पैनल्स और ग्रिड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा, जिससे ऊर्जा उत्पादन की क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में लगभग 10 हजार करोड़ का निवेश भी होगा।

पूजा-अर्चना

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र रविवार को जयपुर में आगरा रोड स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना की। मिश्र ने वहां भगवान लक्ष्मीनारायण की स्तुति की। मंदिर परिसर में ही उन्होंने भगवान शिव की भी विधिवत पूजा-अर्चना कर जलार्पण कर राष्ट्र की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

दाहरसेन स्मारक राष्ट्र भक्तों के लिए प्रेरणा का केंद्र : निम्बाराम

अजमेर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम ने कहा है कि दाहरसेन स्मारक राष्ट्र भक्तों के लिए प्रेरणा का केंद्र है। अजमेर में महाराजा दाहरसेन के 1312वें बलिदान दिवस पर पुष्कर रोड स्थित दाहरसेन स्मारक पर देश भक्ति कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में निंबाराम ने संबोधित करते हुए कहा की महाराजा दाहरसेन का बलिदान अखंड भारत के स्वर्णमयी इतिहास का अहम पड़ाव है। क्योंकि भारत की पश्चिमी सीमा पर होने वाले आक्रमणों को रोकने का साहस शताब्दियों तक सिंध के शासक करते रहे, स्वतंत्र भारत के साथ विभाजन का दुखद पल भी हमारे हिस्से आया और गौरवमय सिंध हमसे अलग हो गया, किंतु इतिहास फिर बदलेगा और यदि हम भाग्यशाली रहे तो अपने जीवनकाल में ही पुनः अखंड भारत बनते देखेंगे और सिंध की पावन धरती पर अपने गौरवशाली इतिहास को फिर से जीवंत देख सकेंगे।

कोटा में आईआईटी-जेईई की तैयारी कर रहे युवक ने फंदा लगाकर जान दी

जयपुर। राजस्थान के कोटा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे 17 वर्षीय युवक ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बिहार के मोतिहारी का निवासी आयुष जायसवाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए महावीर नगर क्षेत्र के सम्राट चौक के पास एक 'पेइंग गेस्ट हाउस' में रह रहा था।

उसने बताया कि शनिवार रात तक जब वह अपने कमरे से बाहर नहीं आया तो उसके दोस्तों ने 'पेइंग गेस्ट हाउस' के मालिक को इसकी सूचना दी जिसने पुलिस को इस बारे में बताया। थानाधिकारी महेंद्र मारू ने बताया, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र ने शनिवार रात आत्महत्या कर ली। वह अपने कमरे में फंदे से लटका मिला। कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। उसके परिजनों के यहां पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद एक पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दरवाजे का ताला तोड़कर कमरे में दाखिल हुई। उन्होंने बताया कि वहां छात्र फंदे से लटका मिला।

सलमान खान के घर पर गोलीबारी प्रकरण में नया मामला दर्ज, राजस्थान से एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/जयपुर। मुंबई पुलिस ने अप्रैल में अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर हुई गोलीबारी के सिलसिले में एक नया मामला दर्ज किया है और आपराधिक धमकी के आरोप में राजस्थान से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अपराध शाखा के अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान राजस्थान के बूंदी निवासी बनवारीलाल लटूरलाल गुर्जर (25) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि गुर्जर ने कथित तौर पर अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो अपलोड किया था जिसमें उसने कहा था, लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़ और गिरोह के अन्य सदस्य मेरे साथ हैं तथा मैं सलमान खान को मारने जा रहा हूं क्योंकि उसने अभी तक माफी नहीं मांगी है।

आरोपी ने राजस्थान में एक राजमार्ग पर वीडियो बनाया और उसे अपने चैनल पर अपलोड कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एक टीम जांच के लिए राजस्थान भेजी गई और उसने आरोपी को पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि मुंबई के साइबर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं कि आरोपी गुर्जर का कोई पिछला आपराधिक इतिहास तो नहीं है। उसे भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं, 506 (2) (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है और जांच जारी है।

बांद्रा इलाके में 14 अप्रैल की सुबह सलमान खान के घर के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने कई गोलियां चलाई थीं। इस मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें से एक अनुज थापन ने एक मई को पुलिस हवालात में कथित तौर पर फांसी लगा ली थी।

ट्रेन की चपेट में आने से दो महिलाओं समेत तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से दो महिलाओं सहित तीन की मौत हो गई। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

निम्बाहेड़ा कोतवाली थाना के प्रभारी रामसुमेर मीणा ने बताया कि घटना शनिवार रात की है जब रेलवे स्टेशन के निकट हनुमानजी मंदिर के पास रेलवे पटरी पार करते समय एक दंपति, उनकी एक रिश्तेदार ट्रेन की चपेट में आ गये।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान निम्बाहेड़ा निवासी मोहनलाल धोबी (45) उनकी पत्नी ललिता (40) और उनकी एक रिश्तेदार देव(35) के रूप में हुई है।

ये सभी हनुमानजी के मंदिर गए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए स्किल डवलपमेंट केन्द्र खोले जाएंगे : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल ने जीवन में कभी हार नहीं मानने की सीख देते हुए महिलाओं को सशक्त तथा सुद्रढ़ बनाने की दिशा में स्किल डवलपमेंट केन्द्र खोलने की घोषणा की है । भजनलाल ने आज ब्यावर जिले में गंगा दशहरा मौके पर आशापुरा धाम पर 15 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए इसे समाज की अच्छी परम्परा बताया और कहा कि इससे समाज में समानता और एकता की भावना विकसित होती है।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह समिति की ओर से आयोजित इस आयोजन में मुख्यमंत्री ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान को राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक बताया। उन्होंने सम्राट को युद्ध कौशल में पारांगत तथा धर्मपरायण बताते हुए उनके जीवन से सीख लेने की प्रेरणा दी। भजनलाल ने कहा कि समाज को लक्ष्य के साथ आगे बढ़ाना है। आज का युग आपका है, आपको लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना है। 2014 से हम 21वीं सदी की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया। हम सबकों लक्ष्य को हासिल करना है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर केन्द्र एवं राज्य सरकार के कामों का सभी सिलसिले वार जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री ने पहली केबिनेट बैठक में ही 17 करोड़ किसानों को सम्मान निधी जारी कर दी। प्रधानमंत्री आवासीय योजना में 3 हजार पक्के मकान बनाने का फैसला लिया, 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की योजना पर भी अमल हो रहा है ।उन्होंने राज्य सरकार के 15 दिसंबर को काम सम्भालते ही 450 में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने, सामाजिक पेंशन एक हजार से बढ़ाकर 1150 करने, तृतीय श्रेणी की महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी माता, बहनों , गरीब, युवाओं के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए, उन्हें सशक्त बनाने के लिए स्किल डवलपमेंट सेंटर खोले जायेंगे । समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आर.एस.एस.)के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम , महेन्दीपुर बालाजी धाम के महामंडलेश्वर नरेशपुरी महाराज, मंत्री अविनाश गहलोत एवं सुरेश सिंह रावत, विधायक शंकरसिंह रावत व वीरेंद्र सिंह कानावत, राजसमंद सांसद महिमाकुमारी मेवाड़, नगर परिषद सभापति नरेश कनौजिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का तलवार, साफा.व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

जयपुर योग महोत्सव-2024

अखंड योग बिना रुके बिना थके लगातार योग साधक करेंगे योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत सरकार आयुष मंत्रालय के अनुसार 21 जून 2024 को आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 10वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर की पहल पर पहली बार योग का अनूठा आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत इंद्रलोक सभागार में रविवार को अखंड योग का विश्व कीर्तिमान बनाने का आगाज किया गया है जिसमें 17 जून सुबह 7 बजे तक अखंड योग किया जायेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं सांसद (जयपुर शहर) श्रीमती मंजू शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान संस्थानों के योगाचार्यो को गोमय योगा प्रतीक चिन्ह (गऊसार) से सम्मानित किया। करीब 51 योग संस्थाएं साथ मिलकर लगातार 1500 मिनट योग करते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएंगी। भट्टारक जी की नसिया स्थित इंद्रलोक सभागार में 17 जून सुबह 7:00 बजे तक योग साधक, योग प्रशिक्षक और योगाचार्य सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न तरह की योग क्रियाऐं करेंगे।

जयपुर योग महोत्सव-2024 के सातवें दिन रविवार को जयपुर के योग साधक विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए जुटे। इंद्रलोक सभागार में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में पहली बार 80 वर्ष से अधिक बुजुर्गों ने योगासन किये साथ ही राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रों ने हैरतअंगेज योग का प्रदर्शन करते हुए योग साधकों और कार्यक्रम में मौजूद लोगों में उत्साह का संचार किया। इस दौरान योग साधकों का उत्साहवर्धन करने के लिए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि 1500 मिनट योगाभ्यास कार्यक्रम के तहत निश्चित रूप से समाज में एक संदेश जाएगा और योग के प्रति लोगों की जागृति बढ़ेगी।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि योग विद्या हमारे भारत की एक पुरातन विद्या है। जिसे हमारे महान मनीषियों ने सैकड़ों-हजारों वर्ष शोध के बाद आविष्कार कर दुनिया के सामने रखा था। और आज भौतिक युग के इस चकाचौंध भरी जिंदगी में जब अधिकांश नागरिक किसी न किसी तरह की शारीरिक व्याधि से ग्रस्त है, उन व्याधियों से छुटकारा पाने का सबसे सरल और सहज उपाय योगाभ्यास है। और आज विश्व कीर्तिमान बनने का आगाज हुआ है और हर व्यक्ति अपने व्यस्ततम समय में से कम से कम आधा घंटा योगाभ्यास करते हुए योग को अपने जीवन में अपनाएगा। इससे आने वाले समय में प्रत्येक नागरिक तन मन और मस्तिष्क से स्वस्थ होंगे। तब विकसित राष्ट्र और विकसित भारत की सोच को आगे ले जाने में कामयाबी हासिल करेंगे।

वहीं जयपुर की सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि जयपुर और जयपुर वासियों के लिए बड़ी गौरव की बात है कि एक कीर्तिमान बनाने जा रहे हैं। उन सभी संस्थाओं को साधुवाद, जो इस योग अभ्यास में भाग ले रही है। वहीं इस कार्यक्रम की मुख्य सूत्रधार रही सौम्या गुर्जर ने कहा कि योग ही हमारा ज्ञान, संस्कार, संस्कृति है।

जिसे पूरे विश्व में अंगीकार किया है। योग की ही ताकत है कि आज भारत विकसित भारत बनने जा रहा है, महिलाओं को बढ़ावा मिल रहा है, देश की अर्थव्यवस्था पांचवे पायदान से तीसरे पायदान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। अब जयपुर वासियों की मदद से एक कीर्तिमान बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग अनुशासन का नाम है ऐसे में अनुशासित शहर वासी अपने शहर का और शहर की स्वच्छता का ध्यान रखते हैं। और जब शहरवासियों का स्वास्थ्य अच्छा होगा तो वो अपने शहर को स्वच्छ भी करेंगे।

शहीदों के बलिदान को याद रखते हुए आइए, हम भी दूसरों के लिए जीना सीखें : सूबेदार योगेंद्र सिंह यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश आगे बढ़ रहा है, क्योंकि हम सुरक्षित हैं। कोई हैं जो हमारे लिए जी रहे हैं, जो हमारी सुरक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगाकर हमें खुली हवा में जीने की आजादी दे रहे हैं।

इस बलिदान को याद रखते हुए आइए, हम भी दूसरों के लिए जीना सीखें। अपने परिवार के साथ समाज और देश की सेवा का जज्बा मन में रखें, तभी जीवन सार्थक होगा।

परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव ने यह बात रविवार को एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट जयपुर की ओर से आयोजित शौर्य वंदन कार्यक्रम में शहीदों के परिवारों के सम्मान के दौरान कही। समारोह में विद्यार्थियों को सीख देते हुए कैप्टन योगेन्द्र ने कहा कि सेना का सम्मान देश का सम्मान है, जिस तरह एक योद्धा देश के लिए लड़ता है ठीक उसी तरह एक विद्यार्थी को भी देश को आगे ले जाने के लिए संकल्पित रहना चाहिए।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जयपुर में करगिल विजय के 25वें वर्ष के तहत शौर्य वंदन कार्यक्रम दीप स्मृति ऑडिटोरियम मानसरोवर जयपुर में आयोजित किया गया। करगिल युद्ध में शहीद 11 सैनिकों के परिजनों का सम्मान किया गया, इनमें शहीद अमित भारद्वाज, शहीद आनंद सिंह, शहीद बिरेन्द्र सिंह, शहीद हीरा सिंह जाट, शहीद नरेंद्र कुमार, शहीद शीषराम और शहीद नेताराम के परिजन शामिल रहे।

शिरकत

अलवर के गोविंदगढ़ में रविवार को श्री भागीरथ महाराज जयंती समारोह में शिरकत करते केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव।

मुलाकात

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू होने से एक सप्ताह पहले रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। रीजीजू ने कांग्रेस प्रमुख के 10, राजाजी मार्ग स्थित आवास पर खरगे से मुलाकात की। इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया है। मंत्री ने बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने पोस्ट में कहा, ''राज्यसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के साथ मेरी शिष्टाचार मुलाकात हुई।

मेघवाल यूसीसी लागू किए जाने को लेकर आशान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन की आशा व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ राज्यों ने इसे लागू करना शुरू कर दिया है। मेघवाल ने यहां 'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में बोलते हुए यह टिप्पणी की।

मेघवाल ने रविवार को यहां कहा, भाजपा के घोषणापत्र में हमने समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया है। गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने इसे लागू करना शुरू कर दिया है। केंद्र में जो गठबंधन सरकार बनी है, वह बहुत मजबूत सरकार है और चिंता की कोई बात नहीं है।

पिछले सप्ताह, जब बीकानेर से सांसद मेघवाल ने कहा था कि समान नागरिक संहिता अब भी भाजपा के एजेंडे में है, तो राजग के घटक दल जद(यू) ने कहा था कि ऐसा कोई भी कदम सर्वसम्मति से ही उठाया जाना चाहिए।

जद(यू) नेता के.सी. त्यागी ने कहा था कि हालांकि पार्टी यूसीसी के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह चाहती है कि यह कदम आम सहमति से उठाया जाना चाहिए।

केंद्रीय कानून मंत्री ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद कथित हिंसा की घटनाओं की आलोचना की और कहा कि केंद्र सरकार इनके प्रति सतर्क है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद ऐसी हिंसा भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए ठीक नहीं है।

मेघवाल ने कहा, चुनाव लोकतंत्र का अहम हिस्सा है। चुनाव खत्म होने के बाद किसी भी तरह की हिंसा नहीं होनी चाहिए। यह (बंगाल में चुनाव के बाद की हिंसा) हमारी जानकारी में है और केंद्र सरकार भी इसके प्रति सजग है। देश में कानून का राज है, यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के कारण मार्च से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनता दर्शन कार्यक्रम को रविवार को गोरखपुर में आयोजित हुआ जिसमें उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इसके पहले लखनऊ के सरकारी आवास में मुख्यमंत्री ने जनता की समस्याएं सुनीं थीं।

गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले नौ मार्च को हुआ था।

बयान के अनुसार रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोग थे जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है और हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के अनुमानित चिकित्सीय खर्च की रिपोर्ट तैयार कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए और जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं।

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण तथा संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थनापत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी।

भारत में ईवीएम 'ब्लैक बॉक्स' हैं, किसी को उनकी जांच की इजाजत नहीं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक ''ब्लैक बॉक्स'' है, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर ''गंभीर चिंताएं'' जताई जा रही हैं।

गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, जब संस्थाओं में जवाबदेही ही नहीं होती तो लोकतंत्र दिखावा बन कर रह जाता है और धांधली की आशंका

बढ़ जाती है। इस पोस्ट के साथ गांधी ने एक खबर भी साझा कि जिसमें दावा किया गया कि मुंबई की उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से 48 वोट से जीत दर्ज करने वाले शिवसेना के उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक ऐसा फोन है जिससे ईवीएम में छेड़छाड़ संभव थी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एलन मस्क की उस पोस्ट को भी साझा किया जिसमें मस्क ने ईवीएम को हटाने की बात कही थी। मस्क ने अपनी पोस्ट में कहा था, हमें ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए। मुनष्यों या कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है।

विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम पर चिंता जताते रहे हैं और उसने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) पर्चियों का शत प्रतिशत मिलान करने की अपील की की थी लेकिन अदालत ने इसे स्वीकार नहीं किया।

मुलाकात

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज, माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, जी किशन रेड्डी ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की। हालांकि, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बैठक का विवरण साझा नहीं किया। शर्मा ने रेड्डी को केंद्रीय मंत्री बनने पर बधाई दी और केंद्र में पिछली भाजपा सरकार के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री के रूप में उनके प्रभावशाली कार्यकाल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री ने गुवाहाटी में मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की।

बंगाल में जबरन वसूली का धंधा फल-फूल रहा है : मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने रविवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में जबरन वसूली के गिरोह फल-फूल रहे हैं और उन्होंने इनकी तुलना 1990 के दशक में मुंबई में दाऊद इब्राहिम और छोटा राजन गिरोह की कुख्यात गतिविधियों से की।

मूमदार ने दावा किया कि पिछले कुछ महीनों में आभूषण की दुकानों में गोलीबारी एवं डकैती की घटनाएं साबित करती हैं कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मजूमदार ने आरोप लगाया कि ये घटनाक्रम मुंबई में पूर्व में हुई आपराधिक गतिविधियों की याद दिलाते हैं, जो पश्चिम बंगाल में चिंताजनक प्रवृत्ति का संकेत देते हैं।

मजूमदार ने कहा, मुझे याद आता है कि 1990 के दशक में दाऊद इब्राहिम, छोटा शकील, छोटा राजन गिरोह किस तरह मुंबई में जबरन वसूली का धंधा चलाते थे। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह के धंधे शुरू हो गए हैं।

एनटीए की सत्यनिष्ठा और नीट आयोजित करने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सत्यनिष्ठा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को आयोजित करने के तौर तरीके ''गंभीर सवालों'' के घेरे में हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं 2014 और 2019 के बीच संसद की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संबंधी स्थायी समिति का सदस्य था। मैं उस समय नीट के लिए मिलने वाले व्यापक समर्थन को याद करता हूं। लेकिन ऐसे सांसद भी थे, विशेष रूप से तमिलनाडु से जिन्होंने चिंता जताई थी कि नीट से सीबीएसई के छात्रों को लाभ मिलेगा और दूसरे बोर्ड एवं स्कूलों से आने वाले विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा, मुझे अब लगता है कि इस सीबीएसई संबंधी मुद्दे पर उचित विश्लेषण की जरूरत है। क्या नीट भेदभावपूर्ण है? क्या गरीब तबके के विद्यार्थियों

को अवसरों से वंचित किया जा रहा है? महाराष्ट्र जैसे अन्य राज्यों ने भी नीट को लेकर गंभीर संदेह व्यक्त किया है।

रमेश ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की सत्यनिष्ठा और नीट को जिस तरह से डिजाइन और आयोजित किया जाता है उसके तरीकों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि पिछले दशक में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपना पेशेवर रवैया स्वयं खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि नई स्थायी समितियां गठित होने पर नीट, एनटीए और एनसीईआरटी की गहन समीक्षा करेगी। इसे सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

नीट परीक्षा पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इसमें करीब 24 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। परिणाम 14 जून को घोषित होने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो जाने के कारण परिणाम चार जून को घोषित कर दिए गए। बिहार में प्रश्नपत्र लीक होने तथा इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उन्होंने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 उम्मीदवारों को दिए गए कृपांक रद्द कर दिए हैं। इस संबंध में केंद्र ने कहा है कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए दिए गए कृपांक को छोड़ने का विकल्प होगा।

कांग्रेस ने शुक्रवार को इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''चुप्पी'' को लेकर सवाल उठाया था और कहा था कि केवल उच्चतम न्यायालय की निगरानी वाली जांच ही लाखों युवा छात्रों के भविष्य की रक्षा कर सकती है।

कोहली की फॉर्म चिंता का विषय नहीं : विक्रम राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉडरहिल (फ्लोरिडा)/भाषा। विराट कोहली मौजूदा टी20 विश्व कप में अभी तक तीन मैच में केवल पांच रन बना पाए हैं लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि इस स्टार बल्लेबाज की फॉर्म चिंता का विषय नहीं है क्योंकि नेट पर वह बेहतरीन लय में लग रहे हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले कोहली विश्व कप में अभी तक इस तरह का जलवा नहीं दिखा पाए हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ एक और पाकिस्तान के खिलाफ चार रन ही बनाए जबकि अमेरिका के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए थे।

राठौड़ ने कनाडा के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे अच्छा लगता है कि जब भी मैं यहां आता हूं, मुझसे विराट कोहली के बारे में सवाल पूछे जाते हैं फिर चाहे वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों या नहीं। चिंता की कोई बात नहीं। उन्होंने कहा, ''वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) में खेल कर यहां आए हैं उसमें उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। कुछ मैच में नहीं चल पाने से चीजें नहीं बदल जाती। वह वास्तव में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं।

राठौड़ को पूरा विश्वास है कि कोहली जरूरत पड़ने पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, ''यह अच्छा है कि वह रन बनाने के लिए थोड़ा अधिक भूखा दिख रहा है। वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब है। आगे हमें उनसे कुछ अच्छी पारियां देखने को मिलेंगी।

मायावती बहुजन आंदोलन से विमुख हो गईं : आर के चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापकों में शुमार समाजवादी पार्टी (सपा) के मौजूदा सांसद आर. के. चौधरी ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में बसपा की करारी पराजय के लिए पार्टी प्रमुख मायावती की बहुजन आंदोलन से विमुखता को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 'पीडीए' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के नारे के साथ बहुजन की मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश की मोहनलालगंज सीट से सपा के नवनिर्वाचित सांसद चौधरी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में बसपा के गिरते ग्राफ

तथा पार्टी के संस्थापक कांशीराम के मिशन के भविष्य समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस वक्त उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति नेतृत्वविहीन हो चुकी है लेकिन आने वाले समय में सपा कांशी राम द्वारा जगायी गई बहुजनवाद की अलख को परवान चढ़ायेगी। लोकसभा चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिलने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने मायावती पर निशाना साधते हुए कहा, मायावती जी हमारी नेता रही हैं। हम उनका सम्मान करते हैं। मगर कांशीराम जी का आंदोलन अगर किसी ने खत्म किया है तो वह बहन जी (मायावती) ने ही खत्म किया है और उस आंदोलन को आगे बढ़ाने के रास्ते पर अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चलना शुरू किया है। हालिया लोकसभा चुनाव में सपा को दलितों का भी काफी वोट मिलने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, बहुजन समाज पार्टी के समर्थकों के वोट इस बार बिना मांगे सपा को मिले हैं। कहीं 50 प्रतिशत तो कहीं 60प्रतिशत मिले। यह बहुत बड़ी बात है और मान्यवर कांशीराम ने जो अलख जगायी है उसे आने वाले समय में निश्चित रूप से अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी पूरा करेगी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बना चुकी बसपा हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सकी।

टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए भारत को भूमिका निभानी होगी : जॉनी ग्रेव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिजटाउन/भाषा। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खतरे में है और वेस्टइंडीज जैसे छोटे क्षेत्रों में खेल के पांच दिवसीय प्रारूप के अस्तित्व को बचाये रखने के साथ-साथ इसके विकास को सुनिश्चित करने में भारत जैसे देश को 'नेतृत्वकर्ता की भूमिका' निभानी होगी।

सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की, लेकिन कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्तर पर तीन बड़े देशों (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों

की श्रृंखला खेलेंगे। तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई चैंपियनशिप का कभी हिस्सा नहीं रहे।

ग्रेव वर्तमान में टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी में व्यस्त हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर अपने मन की बात साझा की। उन्होंने कहा, भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है। ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है।

ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभाव रहता है। उन्होंने कहा, आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है।। पिछले 12 महीनों में आईसीसी द्वारा हासिल की गई सबसे बड़ी चीजों में से एक में बीसीसीआई ने काफी समर्थन किया, जो कि क्रिकेट को ओलंपिक में वापस लाना है। उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल के बाद हुई वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने से बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। खासकर एसोसिएट सदस्य देश अब इस खेल के विकास के लिए सरकार और ओलंपिक संघों से धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप से क्षेत्र में 300 मिलियन डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 2010 में टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी।

ग्रेव ने कहा, हम 14 साल के बाद किसी वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं। यह काफी मायने रखता है। विश्व कप के लिए हमने छह स्टेडियमों को अपग्रेड किया है। स्टेडियम बेहतर होने का फायदा वहां के घरेलू क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट वेस्टइंडीज को आने वाले कई वर्षों तक होगा।

मंधाना की शतकीय पारी से

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 143 रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के छठे शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन भारत ने रविवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 143 रन से शिकस्त दी।

भारत ने आठ विकेट पर 265 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी को 37.4 ओवर में 122 रन पर समेट दिया।

भारतीय टीम के लिए पदार्पण कर रही शोभना आशा ने चार विकेट चटकाये।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अनुभवी सुने लूस ने 33 और

मरीजान काप ने 24 रन का योगदान दिया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी टूटने के बाद भारतीय गेंदबाज पूरी तरह से हावी हो गए।

भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 99 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी लेकिन मंधाना ने 127 गेंद में 117 रन की पारी खेल टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाने के अलावा दीप्ति शर्मा (37) के साथ छठे विकेट के लिए 92 गेंद में 81 रन और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 31) के साथ सातवें विकेट के लिए 54 गेंद में 58 रन की अर्धशतकीय साझेदारियों से टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

दीप्ति ने 48 गेंद की पारी में तीन चौके लगाये। पूजा ने भी 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके जड़े। बल्ले से प्रभाव छोड़ने के बाद दोनों ने गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन करते किया। दीप्ति ने दो तो वही पूजा ने एक विकेट हासिल की।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अयाबोंग खाका ने 47 रन देकर तीन जबकि मसाबाटा क्लास ने 51 रन देकर दो विकेट चटकाये। अनरी डर्कसन, नोनकुलुलेको म्लाबा और नोंडुमिसो शंघासे को एक-एक सफलता मिली।

लक्ष्य का बचाव करते हुए रेणुका सिंह (30 रन पर एक विकेट) ने पहले ओवर में ही कप्तान लॉरा वुलफार्ट (चार) को बोल्ड कर भारत को शानदार शुरुआत दिलायी। पूजा ने अन्नेका बोश (पांच) को पगबाधा किया तो वहीं दीप्ति ने 10वें ओवर में तेजमिन ब्रिट्स (18) को चलता कर दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका दिया।

सुविचार

आरजू होनी चाहिए किसी को याद करने की, लम्हे तो अपने आप ही मिल जाते हैं, कौन पूछता है पिंजरे में बंद पक्षियों को, याद वही आते हैं जो उड़ जाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिर निशाने पर ईवीएम

लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठने बंद हो गए थे। विपक्ष इस बात को लेकर हर्षित था कि उसकी सीटों में अच्छा-खासा इजाफा हो गया और भाजपा का विजयरथ बहुमत के आंकड़े से पहले रुक गया। अब अरबपति उद्योगपति एलन मस्क के दावे के बाद ईवीएम फिर निशाने पर आ गई है। विपक्ष को भी अचानक याद आ गया कि अरे! सीटें बढ़ीं सो बढ़ीं, ईवीएम पर हमला बंद नहीं होना चाहिए था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इसकी तुलना 'ब्लैक बॉक्स' से कर रहे हैं, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। क्या राहुल रायबरेली और वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में इस्तेमाल की गईं ईवीएम के लिए भी यही कहना चाहेंगे, जहां से वे जीतकर आए हैं? विपक्ष के कई नेताओं को आज भी ईवीएम में खोट नजर आ रहा है, जबकि इन्हीं मशीनों के बटन दबाए जाने के बाद उनके दलों के कई उम्मीदवार जीते हैं, अब मुस्कुराते हुए फोटो खिंचवा रहे हैं! अगर ईवीएम के संबंध में एक बार मान लें कि इसमें हेरफेर हो जाती है, तो इंडि गठबंधन के नेता चुनावों में कैसे जीत जाते हैं, कई राज्यों में उनकी सरकारें क्यों हैं? पंजाब, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना ... ऐसे राज्य हैं, जहां सत्तारूढ़ दलों के नेताओं ने ईवीएम के खिलाफ कभी-न-कभी आवाज़ जरूर उठाई है। जब नतीजे अपने पक्ष में आते हैं ईवीएम ठीक है, जब नतीजे पक्ष में नहीं आते तो ईवीएम खराब है! विपक्ष के कई नेता दावा कर रहे हैं कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए ओटीपी लगता है। इस दावे को सोशल मीडिया पर इतने जोर-शोर से फैलाया जा रहा है कि कई लोग इसे सच मानने लगे हैं। जबकि चुनाव आयोग साफ कह चुका है कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए किसी भी ओटीपी का इस्तेमाल नहीं किया जाता और यह मशीन किसी से कनेक्ट नहीं रहती है!

एलन मस्क द्वारा अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर की गई पोस्ट कि 'हमें ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए। मनुष्यों या कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा हैक किए जाने का जोखिम हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है', को लोगों ने ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया। बेहतर होता कि मस्क कोई ठोस सबूत भी पेश करते। भारत में लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद पूरे आंकड़े अभी तक ईवीएम में सुरक्षित हैं। मस्क अपने दफ्तर में बैठे-बैठे किन्हीं 10 लोकसभा सीटों के चुनाव नतीजों को बदलकर दिखाते। यही नहीं, वे सोशल मीडिया पर इसका सीधा प्रसारण भी करते। कोई यह दलील न दे कि अमेरिका में बैठकर यहां रखी मशीन को कैसे हैक किया जा सकता है? जब अमेरिका में अपने घर में बैठा कोई हैकर दुनिया के कई देशों की वेबसाइटों को निशाना बना सकता है तो यह फॉर्मूला ईवीएम पर लागू करके देख लें। पूर्व में जब चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को अपना दावा साबित करने के लिए कहा था तो कौन साबित कर पाया? जब मामला उच्चतम न्यायालय में था तो विपक्ष ठोस सबूत क्यों नहीं दे पाया? भारत में अपना दावा सच्चा साबित करने के लिए इससे बड़ा मंच और क्या हो सकता था? अगर एक भी व्यक्ति यह साबित कर देता तो अगले दिन सभी अखबारों के पहले पन्ने पर मोटे-मोटे अक्षरों में यही खबर छपी होती। उस सुनहरे मौके को हाथ से क्यों जाने दिया गया? भारत में ईवीएम के जरिए कितने ही चुनाव (विधानसभा और लोकसभा के) हो चुके हैं। उनमें किसकी ड्यूटी लगती है? सरकारी कर्मचारियों की। इस बात से तो सभी सहमत होंगे कि सरकारी कर्मचारी किसी एक दल को वोट नहीं देते। प्राय: सत्तारूढ़ दल की नीतियों से उन्हें शिकायतें रहती हैं। अगर ईवीएम में हेरफेर का कोई एक मामला भी होता तो उसका भंडाफोड़ होने में देर नहीं लगती। विपक्षी नेता एक तरफ तो कहते हैं कि भाजपा हार गई, बहुमत से चूक गई, जनता ने मोदी को नकारा और हमें स्वीकारा है; दूसरी तरफ कहते हैं कि ईवीएम में गड़बड़ है। यह तो वही बात हुई कि 'गीत बहुत मधुर है और अत्यंत बेसुरा भी है', 'तेज भागो और धीरे भी चलो!' दोनों बातें एकसाथ कैसे संभव हैं? इस पर गौर करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश की भाजपा सरकार ने आचार संहिता हटते ही तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में माताओं-बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है। हमारी सरकार पूर्ण रूप से माताओं-बहनों, युवाओं, गरीबों और मजदूरों के लिए समर्पित है।

-भजनलाल शर्मा

पुण्यसलिला, पापनाशिनी, मोक्ष प्रदायिनी माँ गंगा सभी को स्वस्थ जीवन और सतत सफलता प्रदान करें। उनका आशीर्वाद समस्त जगत को निरंतर प्राप्त होता रहे, इसी कामना के साथ सभी देशवासियों को गंगा दशहरा की अनंत शुभकामनाएं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मेरे पिता महावीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह जी ने मुझे सबसे बड़ी सीख दी, वह है- भारत का कर्तव्यनिष्ठ, जिम्मेदार और सहभागी नागरिक होने की जिम्मेदारी। मेरे पिता ने युद्ध के मैदान में बहादुरी के साथ देश की सेवा की।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

चींटियों से प्रेरणा

एक व्यक्ति के कई लड़के थे, सभी बहुत चतुर। लेकिन वे सभी अपने को बुद्धिमान मानते थे। कुशलता पर अहंकार करते और एक-दूसरे से बात-बात में टकराते रहते थे। पिता ने उनका अहंकार उतारने की सोची। पिता ने एक कटोरी चीनी और मिट्टी मिलाकर वहां रख दी, जहां चींटियों का बिल था। लड़कों को बुलाकर कहा-वे लोग चीनी और मिट्टी के कण अलग-अलग कर दें। लड़के लगे रहे। बहुत समय बीत जाने पर भी अभी चौथाई काम नहीं निपटा और चले गए। रात गए व्यक्ति लौटा तो उनसे उसे चीनी व मिट्टी को अलग करने के काम को निपटाने की बाबत पूछताछ की। लड़कों ने अज्ञानता प्रकट कर दी। पिता वहां गया जहां सम्मिश्रण बिखरा पड़ा था। देखा तो उसमें से चीनी नदारद। पिता ने पूछा-बताओ तुम में से किसने चीनी निकाली। लड़कों ने फिर अपनी गैरजानकारी व्यक्त कर दी। पिता ने कहा-देखो, उसे छोटी-सी चींटियां मिल-जुलकर बीन ले गईं। तुम्हारे पास चींटी जितनी भी अक्ल नहीं है। उनकी तरह मिल-जुलकर काम नहीं कर सकते। लड़कों को अपने अहंकार का अहसास हुआ।

सामयिक

बुद्धि को श्रेष्ठ कर्मों की ओर प्रेरित करने वाली देवी गायत्री

अशोक प्रवृद्ध

वर्ष 2024 में गायत्री जयंती ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी का दिन 17 जून 2024 दिन सोमवार को मनाई जाएगी। मान्यतानुसार ईश्वर को प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। मन की शांति एवं तनाव से मुक्ति के लिए गायत्री मंत्र के जाप को अत्यंत ही लाभकारी माना गया है। इस मंत्र के उच्चारण से दुख, शारीरिक कष्ट, दरिद्रता, पाप आदि दूर होते हैं।

महामंत्र, गुरुमंत्र आदि के नाम से प्रसिद्ध वैदिक गायत्री मंत्र- ॐ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात।- यजुर्वेद के मंत्र ॐ भूर्भुव: स्व: और ऋग्वेद के मंत्र 3/62/10 के मेल से बना है। इस मंत्र में सवितृ देव की उपासना है। इसलिए इसे सावित्री भी कहा जाता है। मान्यतानुसार गायत्री मंत्र के उच्चारण, स्मरण से ईश्वर की प्राप्ति होती है। यह मंत्र ही अपने आपमें गायत्री देवी का स्वरूप है, क्योंकि गायत्री वेदों की जननी हैं और वह पापों का नाश करने वाली हैं। सभी मंत्रों की माता गायत्री मंत्र सभी प्रकार के अंधकार का विध्वंसक है। यह मंत्र यजुर्वेद व सामवेद में भी अंकित है। गायत्री का शाब्दिक अर्थ है- गायत्त्रायते अर्थात गाने वाले का त्राण करने वाली। गायत्री मंत्र गायत्री छंद में रचा गया अत्यंत प्रसिद्ध मंत्र है। इसके देवता सविता हैं और ऋषि विश्वामित्र हैं। सृष्टिकर्ता ब्रह्मा से लेकर ऋषि-मुनियों, साधु-महात्माओं और अपना कल्याण चाहने वाले लोगों ने इस मंत्र का आश्रय लिया है। ऋग्वेद में गायत्री के दो अलग-अलग मंत्र ऋग्वेद 3/62/10 और ऋग्वेद 5/82/1 में अंकित हैं। प्रथम मंत्र ऋग्वेद 3/62/10 में कहा गया है- तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात।। -ऋग्वेद 3/62/10

स्वामी दयानन्द सरस्वती ने इस मंत्र का अर्थ इस प्रकार किया है- जो मनुष्य सबके साक्षी, पिता के सदृश वर्त्तमान, न्यायेश, दयालु, शुद्ध, सनातन, सबके आत्माओं के साक्षी परमात्मा की ही स्तुति और प्रार्थना करके उपासना करते हैं, उनको कृपा का समुद्र सबसे श्रेष्ठ परमेश्वर, दुष्ट आचरण से पृथक करके श्रेष्ठ आचरण में प्रवृत्त करा और पवित्र तथा पुरुषार्थयुक्त करके धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को प्राप्त कराता है।

दूसरा मंत्र ऋग्वेद 5/82/1 में दिया गया है, जिसमें मनुष्यों को किसकी उपासना करनी चाहिए, इस विषय की जानकारी देते हुए कहा गया है- तत्सवितुर्वृणीमहे वयं देवस्य भोजनम। श्रेष्ठं सर्वधातमं तुरं भगस्य धीमहि ।। -ऋग्वेद 5/82/1

स्वामी दयानन्द सरस्वती इस मंत्र का अर्थ करते हैं- जो मनुष्य सबसे उत्तम जगदीश्वर की उपासना करके अन्य की उपासना का त्याग करते हैं, वे सम्पूर्ण ऐश्वर्य्य से युक्त होते हैं।

ऋग्वेद के इन गायत्री मंत्र से पहले ॐ लगाने का नियम है। इसे प्रणव कहा जाता है। प्रणव परब्रह्म परमात्मा का नाम है। ओम के अ+उ+म इन तीन अक्षरों को ब्रह्मा, विष्णु और शिव का रूप माना गया है। गायत्री मंत्र से पहले ॐ के बाद भू: र्भुव: स्व: लगाकर ही मंत्र का जप करना उत्तम माना गया है। ये गायत्री मंत्र के बीज हैं। बीज मंत्र का जप करने से ही साधना सफल होती है। ॐ और बीजमंत्र सहित पूर्ण गायत्री मंत्र का अर्थ इस प्रकार है- पृथ्वीलोक, भुव:लोक और स्वर्गलोक में व्याप्त उस श्रेष्ठ परमात्मा (सूर्यदेव) का हम ध्यान करते हैं, जो हमारी बुद्धि को श्रेष्ठ कर्मों की ओर प्रेरित करें।

उपनिषद, पुराण आदि ग्रंथों में गायत्री माता व गायत्री मंत्र की महिमा का विशद वर्णन अंकित है। बृहदारण्यक उपनिषद के पांचवें कांड में गायत्री स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा गया है कि गायत्री के चार पाद हैं। एक द्यौ अर्थात स्वर्ग, भूमि और अंतरिक्ष से मिलकर, दूसरा वेदत्रयी से तो तीसरा प्राण, अपान और व्यान से मिलकर बनता है। चौथा पैर सूर्य का है, यह दिखाई देता भी है और नहीं भी दिखता। शरीर में सूर्य आंख का अधिष्ठातृ देवता है। सूर्य आंख पर ही विश्राम करता है। भू सिर को भुवः हाथों को और स्व पैरों को कहा जाता है। गया की रक्षा करने के कारण गायत्री नाम हुआ। गया प्राण को कहा गया है। बृहदारण्यक उपनिषद में कहा गया है- प्राणा वै गयाः, तत्प्राणांस्तवे, तद्यद्गयांस्तवे, तस्माद्गायत्री नाम। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार गायत्री प्राण शक्ति है। इसीलिए इसे सूर्य उपासना के लिए प्रयुक्त कियाजाता है। छान्दोग्य उपनिषद 5/2/7 में गायत्री का रहस्य प्रकट किया गया है। इसमें गायत्री उपासना के संकेत भी मिलते हैं।

मान्यतानुसार गायत्री मंत्र सर्वप्रथम ब्रह्मऋषि विश्वामित्र के समक्ष प्रकट हुआ। गायत्री मंत्र का मूल महत्व सूर्य देवता की उपासना है। गायत्री मंत्र का जप प्रातःकाल और सांयकाल में सूर्य देवता के समक्ष किया जा सकता है। गायत्री मंत्र का जप दिन में तीन बार प्रातः, मध्याह्न और संध्या को किया जा सकता है। प्रातःकाल में यह भगवान ब्रह्मा को समर्पित है और गायत्री कहलाती है, मध्याह्न में यह भगवान विष्णु को समर्पित है और सावित्री कहलाती है, जबकि सांयकाल में भगवान शिव को समर्पित है और सरस्वती कही जाती है। गायत्री मंत्र में चौबीस अक्षर होते हैं। गायत्री मंत्र भौतिक, भावनात्मक और मानसिक चिकित्सा का मंत्र है। सूक्ष्म कर्मों को शुद्ध करना, बाधाओं से संरक्षण, आध्यात्मिक जागृति और आत्मबोध का मंत्र है। वेद माता गायत्री देवी को गायत्री मंत्र की देवी माना गया है। वह देवी सरस्वती, ज्ञान और चार वेदों की दाता, की अवतार हैं। गायत्री देवी लाल कमल पर विराजमान हैं, जो संपत्ति का सूचक है। वह एक श्वेत हंस के साथ हैं, जो शुद्धता का प्रतीक है। वह एक हाथ में पुस्तक और एक में औषधि धारण किये हुए हैं, जो क्रमशः ज्ञान और स्वास्थ्य का सूचक है। उन्हें पांच शीर्ष के साथ दिखाया गया है, जो पंच प्राण अथवा पांच इन्द्रियों के प्रतीक हैं। गायत्री मंत्र प्रकाश और जीवन के अनंत स्रोत सूर्य की प्रार्थना है, जो सभी विषयों में बुद्धि का मार्गदर्शन करके हमारी चेतना जगाता है। सविता अर्थात गायत्री सवितृ अर्थात सूर्य के पीछे की प्रेरक शक्ति है। मान्यतानुसार माता गायत्री के पांच मुख हैं, जो पांच महाभूत अर्थात पंच तत्वों - जल, वायु, पृथ्वी, अग्नि और आकाश के सूचक हैं। इस संसार के हर जीव में प्राण शक्ति के रूप में माता गायत्री विद्यमान हैं। गायत्री को विश्वमाता और देवमाता का भी स्थान दिया गया है। गायत्री का वर्णन वैदिक संध्या अनुष्ठानों में गायत्री ध्यान के श्लोक में किया गया है, जिसके अनुसार गायत्री देवी के प्रत्येक मुख पर तीन नेत्र हैं। हर मुकुट चंद्रमा से सुशोभित है। पर्ल, पवाली, गोल्ड, इंद्रनील और धवल के किरदारों के पांच चेहरे हैं। इनके दस हाथ हैं और उन हाथों में वरद प्रतीक चिन्ह, अभय प्रतीक चिन्ह, अंकुश, कोड़ा, शूल, कपाल, रज्जू, शंख, चक्र और कमल का जोड़ा है। वह ब्रह्म का अवतार है। सुबह गायत्री शैशवावस्था में होती है और बढ़ते सौरमंडल के मध्य में होती है। उसका रंग और वस्त्र लाल हैं। इसके चार चेहरे हैं। चार हाथ हैं, जिनमें डंडा, कमंडलू, वक्ष और अभय प्रतीक चिन्ह है। वह ब्रह्मतुल्य है और हंस पर सवार है। वह ऋग्वेद का पाठ करती है और पृथ्वी की नियंत्रक है। गायत्री अपनी युवावस्था में दोपहर में है और मध्यदिन सौरमंडल के बीच में है। उसका रंग और कपड़े सफेद हैं। इसके चार चेहरे हैं। प्रत्येक मुख की तीन आंखें हैं और सिर पर एक चंद्रमा है। चार हाथ हैं जिनमें एक त्रिशूल, खड्ग, खटवांग और दावरू है। वह रुद्र जैसी है और बैल पर बैठती है। वह यजुर्वेद का पाठ करती है और भौंहों की नियंत्रक है। शाम को गायत्री वृद्धावस्था में होती है और वर्तमान सौरमंडल के केंद्र में होती है। उसका रंग और कपड़े काले हैं। उसका एक ही चेहरा है। चार हाथ हैं जिनमें शंख, चक्र, गदा और पद्म हैं। वह विष्णु के रूप में सरस्वती हैं और बाज पर विराजमान हैं। वह सामवेद का पाठ करती है और स्वर्ग और लोगों की नियंत्रक है। देवी भागवत स्कन्ध12/1 के अनुसार सूर्य की उपासना का यह गायत्री मंत्र चौबीस अक्षरों का होता है। इन चौबीस देवताओं को प्रत्येक अक्षर का एक देवता माना जाता है, जिसे मूल गायत्री मंत्र में तत्त्ववितुर्वरेण्यम कहा गया है। ये देवता हैं- अग्नि, वायु, सूर्य, आकाश, यम, वरुण, बृहस्पति, वर्ष, इंद्र, गंधर्व, पूषा, मित्र, तरस्ता, वसु, मरुद्रण, सोम, अंगिरा, विश्वदेव, अश्विनी कुमार, प्रजापति, पूर्ण देवता, रुद्र, ब्रह्मा और श्रीविष्णु। मान्यतानुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवी गायत्री प्रकट हुई थीं। इसी कारण इस दिन गायत्री जयंती का पर्व मनाया जाता है। वर्ष 2024 में गायत्री जयंती ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी का दिन 17 जून 2024 दिन सोमवार को मनाई जाएगी। मान्यतानुसार ईश्वर को प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। मन की शांति एवं तनाव से मुक्ति के लिए गायत्री मंत्र के जाप को अत्यंत ही लाभकारी माना गया है। इस मंत्र के उच्चारण से दुख, शारीरिक कष्ट, दरिद्रता, पाप आदि दूर होते हैं। गायत्री जयंती पर गायत्री माता की पूजार्चना, उपासना करने का विशेष महत्व है।

नजरिया

फिर आतंकी हमले, कायम हो शांति का उजाला

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है।

इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे।

मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है।

जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये।

इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए।

कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाये, यह अपेक्षित है।

पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है। कश्मीर को अशांत करने का कोई मौका वह खोना नहीं चाहता। आज के दौर में उठने वाले सवालों में ज्यादातर का जवाब गठबंधन की मोदी सरकार को ही देना है, उसे सटीक जबाव देकर आतंकियों के मनसूंबों को ढेर करना होगा, पडोसी देश की गर्दन को एक बार फिर मरोड़ना होगा। यह बात भी सही है कि इस मसले को दलगत राजनीति से दूर रखना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

पाचन तंत्र को बेहतर बनाकर रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है धनुरासन

धनुरासन करते समय पेट और रीढ़ की हड्डी पर जोर पड़ता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। हर योगासन के नाम का एक इतिहास है, जो रोचक भी है। अगर इनके नामों पर ध्यान दें तो यह समझना काफी आसान होता है कि इनका अभ्यास करेंगे तो शरीर की आकृति कैसी होगी। उदाहरण के लिए- 'धनुरासन' पर ध्यान दें तो आसानी से समझ सकते हैं कि इसमें शरीर की आकृति खींचे हुए 'धनुष' जैसी हो जाएगी। इसे यह नाम 'धनु' और 'आसन' से मिला है।

कैसे करें धनुरासन?

धनुरासन को करना बहुत आसान है। इसके लिए सबसे पहले चटाई या नरम आसन पर पेट के बल लेटें। इसके बाद अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर हाथों से पकड़ें। अब सांस अंदर खींचे और छाती एवं जांघों को ऊपर की तरफ उठाएं।

ध्यान रखें कि इस दौरान ज़बरदस्ती खींचतान नहीं करनी है। अगर शुरुआत में पैरों और छाती को ज्यादा ऊपर तक न लेकर जा सकें तो उतना ही करें, जितना आसानी से हो जाए। सुविधानुसार शरीर को इस स्थिति में कुछ समय तक रखें। इस अवधि में धीरे-धीरे सांस लेकर छोड़ते रहें। उसके बाद धीरे-धीरे ही पूर्व स्थिति में आ जाएं। शुरुआत में यह आसन रोजाना दो से तीन बार करना ठीक रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें

धनुरासन करते समय पेट और रीढ़ की हड्डी पर जोर पड़ता है। जिन्हें शरीर के इन अंगों में कोई स्वास्थ्य समस्या है, वे इसका अभ्यास न करें। बेहतर होगा कि वे पहले किसी कुशल योग प्रशिक्षक से सलाह लें। उदाहरण के लिए- रीढ़ की हड्डी या डिस्क संबंधी दिक्कत और अल्सर एवं पेट के गंभीर रोग होने पर धनुरासन नहीं करना चाहिए।

धनुरासन करने से लाभ

- यह आसन पेट की चर्बी को कम करने में सहायक है।
- धनुरासन से पाचन तंत्र बेहतर होता है।
- जिन्हें एसिडिटी, खट्टी डकार, कब्ज की समस्या रहती है, उनके लिए यह आसन लाभदायक है।
- धनुरासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीली बनाने में सहायक होता है।
- यह गुर्दों के लिए भी अच्छा माना जाता है।
- धनुरासन गर्दन और पीठ के दर्द में राहत पहुंचाता है।

तन और मन को निर्मल बनाता है योग

'योगासन चिंता विकारों के लिए वैकल्पिक उपचार के रूप में प्रभावी हो सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग से होने वाले कई फायदों के बारे में प्राचीन काल से ही विशेषज्ञ जानते हैं। जिन लोगों ने जिज्ञासावश इसका अभ्यास शुरू किया, वे भी उन फायदों से रूबरू हुए। अब योग को आधुनिक शोध और वैज्ञानिक विधियों की कसौटी पर परखा जा रहा है। देश-दुनिया में किए गए ऐसे कई अध्ययनों के नतीजे बताते हैं कि योग मनुष्य के तन और मन को निर्मल बनाता है।

- अमेरिका की चिंता और अवसाद एसोसिएशन ने एक अध्ययन के बाद कहा कि चिंता विकार इस देश में सबसे आम मानसिक स्वास्थ्य विकार हो सकता है। उसने कहा कि कई तरह के चिंता विकार होते हैं, जैसे- सामान्यीकृत चिंता विकार, सामाजिक चिंता और विशिष्ट फोबिया। यहां तक कि क्रोनिक स्ट्रेस को भी कभी-कभी चिंता विकार के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।
- अनेक अध्ययनों से पता चलता है कि योगासन चिंता विकारों के लिए वैकल्पिक उपचार के रूप में प्रभावी हो सकते हैं। योगनिद्रा, जो ध्यान का ही एक स्वरूप है, चिंता के लक्षणों को निर्णायक रूप से कम करने में सक्षम पाया गया है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) को 'किसी व्यक्ति की संस्कृति और मूल्य प्रणालियों के संदर्भ में जीवन में अपनी स्थिति की धारणा, जिसमें वह रहता है और जो उसके लक्ष्यों, अपेक्षाओं, मानकों और चिंताओं के संबंध में है' के रूप में परिभाषित करता है। क्यूओएल को प्रभावित करने वाले कुछ कारक हैं- रिश्ते, रचनात्मकता, सीखने के अवसर, स्वास्थ्य और भौतिक सुख-सुविधाएं।
- दशकों से शोधकर्ता क्यूओएल को लोगों की वृद्धावस्था और किसी लंबी अवधि की बीमारी या चोट के उपचार के बाद रोगियों में सुधार की संभावना के एक महत्त्वपूर्ण संकेतक के रूप में देखते रहे हैं।
- साल 2019 के एक विश्लेषण से पता चलता है कि योग से क्रोनिक दर्द से पीड़ित लोगों के जीवन स्तर में सुधार की संभावना है।

अपनी जड़ों में तंदुरुस्ती का राज

पाकिस्तान में भी बढ़ रही योग की लोकप्रियता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। इस समय जब पूरी दुनिया में योग की लोकप्रियता बढ़ रही है तो हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी लोग विभिन्न आसन करते नजर आने लगे हैं। पश्चिमी विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों द्वारा योग के फायदों पर मुहर लगाए जाने के बाद पाकिस्तानी थोड़ा झिझकते हुए ही सही, योग को अपनाने लगे हैं। यूं तो पाक में हर उस चीज, वस्तु, मान्यता और विचार का विरोध किया जाता है, जिसका जरा-सा भी संबंध भारत से हो, लेकिन वहां योग की लोकप्रियता इस वजह से बढ़ रही है, क्योंकि इससे सेहत को फायदा होता है।

पाक में ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने स्वीकार किया है कि वे गरिष्ठ भोजन और प्रतिकूल दिनचर्या के कारण विभिन्न बीमारियों से घिरे हुए थे तथा हर महीने हजारों रुपए की दवाइयां ले रहे थे। उसके बाद उन्होंने इंटरनेट पर भारतीय योग गुरुओं के वीडियो देखकर जिज्ञासावश योग करना शुरू किया, जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ। खासकर मोटापा, रक्तचाप, मधुमेह, अनिद्रा, तनाव, अवसाद आदि स्वास्थ्य समस्याओं में तो योग बहुत बड़ा वरदान है।

यही नहीं, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एफ-9 पार्क में मुफ्त योग कक्षाएं चलाई जा रही हैं। इस्लामाबाद के रखरखाव के लिए जिम्मेदार कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) के आधिकारिक फेसबुक पेज पर यह जानकारी दी गई है। सीडीए का कहना है कि सेहत और तंदुरुस्ती की ओर अपनी यात्रा शुरू करने के लिए कई लोग पहले ही इसमें शामिल हो चुके हैं। पाक में योग की लोकप्रियता बढ़ने का एक और कारण है। किसी समय यह भूभाग भारत का ही हिस्सा था, इसलिए लोग अपनी जड़ें तलाशने के लिए भारतीय संस्कृति को जिज्ञासा भरी दृष्टि से देखते हैं। वहीं, पश्चिम में योग की बढ़ती लोकप्रियता के कारण भी पाकिस्तानी योग सीख रहे हैं।

जब पश्चिमी शोध संस्थान कहते हैं कि योग में इतनी खूबियां हैं तो पाकिस्तान में लोग इस तर्क के साथ इसे सीखने की शुरुआत करते हैं कि किसी ज़माने में हमारे पूर्वज योग किया करते थे। पाक के एक मशहूर योग प्रशिक्षक तो यह दावा करते हैं कि 'योग का जन्म पाकिस्तान में हुआ था!' हालांकि ज्ञात इतिहास के अनुसार, जब हजारों साल पहले योग की उत्पत्ति हुई तो पाकिस्तान का कहीं नामो-निशान नहीं था। योगशास्त्र को भारत के ऋषियों-मुनियों ने अपने ज्ञान और तपस्या से समृद्ध व संपन्न किया। आज यह संपूर्ण मानवता के लिए है।

- विशेष: इस जानकारी का उद्देश्य योग के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह स्वास्थ्य संबंधी सलाह का विकल्प नहीं हो सकती। उचित सावधानियों का पालन करते हुए किसी कुशल योग प्रशिक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही योगाभ्यास करना चाहिए।

सेहत का सुरक्षा चक्र : रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगार है योग

लंबी अवधि तक तनावग्रस्त होना प्रतिरोधक तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रोगप्रतिरोधक क्षमता का क्या महत्त्व होता है, यह हमने कोरोना काल में बखूबी जाना। जिन लोगों में यह क्षमता अच्छी होती है, वे जल्दी बीमार नहीं पड़ते। अगर कभी बीमारी की चपेट में आ जाते हैं तो उनके स्वस्थ होने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि तक तनावग्रस्त होना प्रतिरोधक तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जब रोगप्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर होती है तो ऐसे व्यक्ति बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वहीं, योग को तनाव दूर करने के लिए वैज्ञानिक रूप से समर्थित वैकल्पिक उपचार माना जाता है, जो निरंतर अभ्यास से प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है। इस विषय पर कई शोध जारी हैं, लेकिन कुछ अध्ययनों में योगाभ्यास (विशेष रूप से लंबे समय तक लगातार) और बेहतर प्रतिरोधक क्षमता के बीच स्पष्ट संबंध पाया गया है।

जर्नल ऑफ बिहेवियरल मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध से पता चलता है कि योग हमारी रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने और शरीर में उत्तेजना को कम करने में सहायक हो सकता है। साइकोलॉजी टुडे के अनुसार, मनोवैज्ञानिक तनाव शरीर की कई प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है, जिसमें प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना शामिल है। शोधकर्ताओं ने सामूहिक रूप से किन्हीं 15 परीक्षणों की समीक्षा की, जिनमें यह जांच की गई कि क्या योगासनों के नियमित अभ्यास से प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो सकती है?

साइकोलॉजी टुडे के अनुसार, परीक्षणों का औसत नमूना आकार 70 था।

इन योग परीक्षणों में वैज्ञानिकों ने रक्त या लार में परिसंचारी प्रो-इन्फ्लेमेटरी मार्करों, जैसे- साइटोकाइंस, सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी), साथ ही प्रतिरक्षा कोशिकाओं की संख्या, एंटीबॉडी और प्रतिरक्षा कोशिकाओं में जीन अभिव्यक्ति के मार्करों के स्तर को मापकर प्रतिक्रिया की जांच की। शोधकर्ताओं ने एक समग्र पैटर्न पाया कि योग प्रो-इंफ्लेमेटरी मार्करों को कम करता है, जिसमें आईएल-1बीटा नामक साइटोकाइन की कमी के सबसे मजबूत सबूत हैं। अन्य प्रकार के प्रो-इंफ्लेमेटरी मार्करों के संबंध में भी आशाजनक परिणाम मिले हैं।

शहीद कर्नल के बेटे का संदेश: पापा, बस एक बार आ जाओ....

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतनाग (कश्मीर)/भाषा। पापा बस एक बार आ जाओ, फिर मिशन पे चले जाना। सात-वर्षीय कबीर ने यह वॉयस मैसेज अपने पिता कर्नल मनप्रीत सिंह के नंबर पर हाल में भेजा है। वह मासूम इस कठोर सच्चाई से अनजान है कि उसके पिता अब कभी वापस नहीं आएंगे। अपने पिता के नंबर पर ऐसे कई संदेश वह अपनी मम्मी की नजरों से बचने के लिए फुसफुसाकर भी भेजता है। वह कई बार वीडियो कॉल करने की भी कोशिश करता है।

कर्नल सिंह का वीरता भरा अंतिम अभियान पिछले वर्ष 13 सितंबर को था, जब उन्होंने अन्य सैनिकों के साथ गड़ूल गांव के आसपास के जंगलों में आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ की थी। अपने साहस के बावजूद, कर्नल सिंह, मेजर आशीष धोंचक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट एवं सिपाही प्रदीप सिंह ने सर्वोच्च बलिदान दिया। इस बलिदान ने उन लोगों के दिलों में हमेशा के लिए एक खालीपन पैदा कर दिया, जो उन्हें (वीर सपूतों को) जानते और सराहते थे।

उन्नीस-राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) इकाई के कमांडिंग अफसर कर्नल सिंह को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के लार्कीपोरा, जालडूरा और कोकरनाग के सर्वाधिक आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों के एक नायक के रूप में याद किया जाता है।

कई स्थानीय लोग उन्हें इन क्षेत्रों में बहादुरी, नेतृत्व और नि:स्वार्थ बलिदान के प्रतीक के रूप में याद करते हैं, जो मुख्य रूप से 19 आरआर का दायित्व क्षेत्र या सेना की भाषा में 'एओआर' है। उनकी विरासत लोगों के दिलों में जिंदा है।

कर्नल सिंह की अनुपस्थिति उनके परिवार के सदस्यों, विशेषकर उनकी पत्नी जगमीत पर भारी पड़ रही है। जगमीत को वह समय अच्छे से याद है जब उन्होंने (कर्नल सिंह ने) चिनार के दो पेड़ लगाए थे और प्यार से उनका नाम अपने बच्चों- कबीर और वाणी- के नाम पर रखा था। जगमीत ने कहा, उन्होंने कहा था कि हम इन पेड़ों को देखने के लिए 10 साल बाद फिर आएंगे, लेकिन अब...। उनकी धीमी आवाज परिवार पर छाई अनिश्चितता और दुख को व्यक्त कर रही थी। जगमीत ने पंजाब के मोहाली से फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कर्नल सिंह कश्मीर में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए बेहद उत्साहित थे और उन्होंने अपने बच्चों को यह समझाने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में भी बताया कि वह (सिंह) वापस नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, अक्सर मन (कर्नल मनप्रीत) को रात के अंधेरे में फोन आते थे और वह तुरंत यह सुनिश्चित करते थे कि पीड़ितों को सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि यह मदद व्यक्तिगत विवाद सुलझाने या अस्पताल में भर्ती कराने के लिए हो सकती है, यह किसी भी चीज के लिए हो सकती है। उन्होंने बताया कि उनके शहीद पति को स्थानीय लोग शादी-ब्याह, बच्चे के जन्म और ईद के मौके पर बुलाते थे। जगमीत ने बताया, यह एक बड़े परिवार जैसा था।उनके साथ महज 32 सेकेंड की हुई आखिरी बातचीत को याद करते हुए जगमीत ने कहा, ऑपरेशन में हूं, ये उनके आखिरी शब्द थे, उसके बाद मैंने उनसे कभी बात नहीं की। कर्नल सिंह का समुदाय के प्रति समर्पण उनके सैन्य कर्तव्यों से कहीं आगे तक फैला हुआ था।

पुनर्वास प्रयासों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, खासतौर पर नशे की लत से जूझ रहे लोगों का जीवन पटरी पर लाने में। महिलाओं को सशक्त बनाने और खेल तथा शिक्षा के माध्यम से सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने में कर्नल सिंह के योगदान को उनके जानने वाले बड़े प्यार से याद करते हैं। अनंतनाग की जानी-मानी महिला क्रिकेटर रुबिया सईद ने कर्नल सिंह के समुदाय पर प्रभाव को याद किया। उन्होंने कहा, उनका मानना था कि समाज के निर्माण में खेलों की अहम भूमिका होती है...बहुत से नशे के आदी लोग थे, जिन्हें उन्होंने पुनर्वास के लिए भेजा था। सईद ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने पर कर्नल सिंह का ध्यान खेल और शिक्षा के माध्यम से बेहतर समाज के निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्थानीय निवासियों ने कर्नल सिंह की सहृदयता और सहयोग की चर्चा की तथा उनके अच्छे व्यवहार और युवाओं पर उनके सकारात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला।

रईस ने बताया, मैंने उनके जैसा सज्जन अधिकारी कभी नहीं देखा। वह मेरे साथ अपने भाई की तरह व्यवहार करते थे।

पाकिस्तान की प्रगति के लिए लोग चाहते हैं कि इमरान को पांच साल जेल में रखा जाए

लाहौर। पाकिस्तान के एक मंत्री ने दावा किया है कि देश के लोगों का मानना है कि आर्थिक स्थिरता के लिए इमरान खान को 2029 तक जेल में रखना जरूरी है।

संघीय योजना एवं विकास मंत्री एहसान इकबाल ने चिंता व्यक्त की है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक इमरान खान (71) की रिहाई से देश में नए सिरे से विरोध प्रदर्शन और अशांति पैदा हो सकती है।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के महासचिव इकबाल ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, लोगों ने हमसे कहा है कि अगर पाकिस्तान आर्थिक स्थिरता चाहता है, तो इमरान को पांच साल तक जेल में रखना जरूरी है।

अलग-अलग मामलों में इमरान खान पिछले वर्ष अगस्त से ही जेल में बंद हैं। मंत्री ने कहा कि इमरान एक 'गुस्सैल व्यक्ति' हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि देश की आर्थिक स्थिरता के लिए इमरान का जेल में रहना जरूरी है।

मंत्री ने कहा कि यह देश और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी, दोनों के लिए एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने कहा कि पार्टी के साथ सार्थक बातचीत तब तक नहीं हो सकती, जब तक कि वह सरकारी संस्थाओं के खिलाफ अभियान में शामिल है।

अमिताभ बच्चन ने फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन की 10वीं वर्षगांठ पर डाक विभाग द्वारा जारी करने पर खुशी जाहिर की

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा जगत के मशहूर अभिनेता और हेरिटेज फिल्म फेडरेशन के राजदूत अमिताभ बच्चन ने फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के दसवीं वर्षगांठ पर भारतीय डाक विभाग की ओर से मुंबई के ऐतिहासिक वीटी डाकघर में जारी विशेष कवर और पांच रु का टिकट जारी किए जाने पर खुशी जाहिर की है। फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर और उनकी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। अमिताभ बच्चन ने अपने सोशल हैंडल एक्स पर लिखा है कि फाउंडेशन के लिए यह अविश्वसनीय सम्मान की बात है कि भारतीय डाक विभाग ने हेरिटेज फिल्म फेडरेशन द्वारा भारत की फिल्म विरासत को संरक्षित करने के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों के सम्मान में एक विशेष डाक कवर जारी किया है।

अमिताभ बच्चन ने कहा है कि मुझे एक ऐसे संगठन हेरिटेज फिल्म फेडरेशन का राजदूत होने पर बहुत गर्व है जोकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारी फिल्म विरासत को संरक्षित करने के लिए एक अटूट जुनून और प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर कार्यरत है, जिसने पिछले दस वर्षों में हमारी लुप्त हो रही फिल्म विरासत को बचाया हैं, पुनर्स्थापित और प्रदर्शित किया है। उल्लेखनीय है कि दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर मूल के शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर की संस्था फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन नित नये आयाम छू रही हैं।भारतीय डाक विभाग ने वी.टी., मुंबई में जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) की खूबसूरत हेरिटेज बिल्डिंग में आयोजित एक समारोह में फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के उल्लेखनीय कार्यों को समर्पित एक विशेष डाक कवर और कैंसिलेशन टिकट जारी किया हैं। इस विशेष समारोह में प्रख्यात कवि, लेखक, गीतकार और फिल्म निर्माता गुलजार और प्रसिद्ध निर्देशक श्याम बेनेगल के साथ महाराष्ट्र के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल किशन कुमार शर्मा और मुंबई के पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह ने भी अपने विचार प्रकट किए।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध संस्था 'शब्द' का वर्ष 2024 का वार्षिक पुरस्कार अर्पण समारोह आगामी 22 दिसंबर को बेंगलूर में आयोजित होगा। समारोह में उत्कृष्ट साहित्य लेखन को बढ़ावा देने के लिए किन्हीं हिंदी साहित्यकार को एक लाख रुपए का अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान प्रदान किया जाएगा।

फ्रेश फैशन कलेक्शन के साथ आई हाई लाइफ प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी का आगाज यहां 'द ललित अशोक' में सोमवार को होगा। यह तीन दिवसीय आयोजन है। आयोजकों ने बताया कि यह प्रदर्शनी 17 जून से 19 जून तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि यह अनूठा और नया कलेक्शन है। भारत के पसंदीदा फैशन शोकेस के रूप में हाई फैशन के साथ इस नए सीज़न की शुरुआत करें। हाई लाइफ प्रदर्शनी फ्रेश फैशन कलेक्शन के साथ आई है।

उन्होंने बताया कि यहां डिज़ाइनर परिधान, आभूषण, दुल्हन के परिधान, फैशन एक्सेसरीज़ और बहुत सारे शानदार प्रॉडक्ट्स नई रेंज में उपलब्ध होंगे, जो लुक को चार चांद लगाएंगे। इस सीज़न स्टाइलिश फैशन कलेक्शन के साथ स्टाइल स्टेटमेंट बनाएं।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध रहेंगे।

साध्वीश्री उदितयशा ने आरआर नगर के सदस्यों की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री उदितयशाजी ने रविवार को आरआर नगर से विहार कर नायनदहल्ली में विनोद छाजेड़ की फैक्ट्री में पहुंची। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, छतरसिंह सेठिया, तेयुप अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, महिलामंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी तथा अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने अपनी भावना व्यक्त की एवं धर्म लाभ की बात रखी। साध्वीश्री भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभाजी ने संवाद के रूप में अपने प्रवास काल के संस्मरण बताएं।

साध्वी संगीतप्रभाजी ने आरआर नगर के श्रावक समाज को भाग्यशाली कहकर संबोधित किया। महिला मंडल, युवक परिषद, ज्ञानशाला, किशोरमंडल, कन्यामंडल सब की जागरूकता की प्रशंसा की। साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा की उनका आरआर नगर का प्रवास अविस्मरणीय रहेगा । लोगों ने उनके प्रवास काल में अपने सामर्थ्य अनुसार अच्छा लाभ लिया है। लोगों की जागरूकता एवं समय की उपयोगिता उल्लेखनीय है। कार्यक्रम का संचालन वंदना

इस वर्ष का 'शब्द' पुरस्कार समारोह 22 दिसंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध संस्था 'शब्द' का वर्ष 2024 का वार्षिक पुरस्कार अर्पण समारोह आगामी 22 दिसंबर को बेंगलूर में आयोजित होगा। समारोह में उत्कृष्ट साहित्य लेखन को बढ़ावा देने के लिए किन्हीं हिंदी साहित्यकार को एक लाख रुपए का अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान प्रदान किया जाएगा। साथ ही दक्षिण भारत में हिंदी भाषा के प्रसार के जरिये राष्ट्रीय भावबोध के संवर्द्धन के लिए दक्षिण के किन्हीं हिंदी सेवी को इक्कीस हजार रुपए का दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान दिया जाएगा। पुरस्कार समारोह बेंगलूरु में होगा। 'शब्द' कार्यकारिणी समिति की शनिवार को यहाँ आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। निर्णय की जानकारी देते हुए 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने बताया कि दोनों पुरस्कारों के लिए देश भर से विद्वानों, रचनाकारों एवं प्रकाशकों की संस्तुतियाँ मिल रहीं हैं। संस्तुति / प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 30 जून,2024 निर्धारित है।

डॉ समीर ने बताया कि अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान के लिए योग्य रचनाकार का चयन देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों, संपादकों और प्रकाशन संस्थानों के द्वारा अनुशंसित तथा प्रस्तावित कवियों एवं लेखकों के साहित्यिक अवदान तथा विगत 3 वर्षों में प्रकाशित उनकी कृतियों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है । इसी तरह दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान का निर्णय दक्षिण भारत के हिंदी सेवियों के समग्र अवदान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है । वर्ष 2024 के पुरस्कारों के लिए अनुशंसा / प्रविष्टि आमंत्रित करने की विज्ञप्ति मई महीने की शुरुआत में ही जारी की गयी थी। अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान-2024 के निर्णय के लिए वर्ष 2021 से 2023 के बीच प्रकाशित कृतियों को आधार बनाया जाएगा। डॉ समीर ने बताया कि कार्यकारिणी की बैठक में उनके अलावा 'शब्द' के सलाहकार श्रीकांत पाराशर, कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट, सचिव डॉ उषारानी राव, संयुक्त सचिव डॉ स्वर्ण ज्योति, कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुलेच्छा तथा आनंद मोहन झा एवं बिंदु रायसोनी ने भाग लिया। बैठक में बाबूलाल गुप्ता एवं भूपेंद्र पोपट आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित थे।

'शब्द' पुरस्कारों के अंतर्गत पहला 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कवि मदन कश्यप को तथा दूसरा सुप्रसिद्ध कथाकार हृषीकेश सुलभ को प्रदान किया गया है । इसी तरह पहला 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' प्रो ए अरविंदाक्षन को एवं दूसरा बी एस शांताबाई को दिया गया है ।

पुण्य सम्राट सूत्र ज्ञान अभिवृद्धि योजना का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एवेन्यू रोड स्थित मुनिसुव्रत राजेंद्र जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट के प्रांगण में अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन महिला परिषद के तत्वावधान में पुण्य सम्राट सूत्र ज्ञान अभिवृद्धि योजना का शुभारंभ किया गया। बेंगलूरु परिषद की अध्यक्षा कंचन पालगोता चौहान ने सभी का स्वागत किया। महिला परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रेमादेवी गांधीमुथा ने कहा कि यह योजना देश भर की सभी धार्मिक पाठशाला में प्रारंभ होगी। उन्होंने कहा आचार्य जयंतसेनसूरीश्वर म.सा श्रुत ज्ञान के अभिवृद्धि केलिए सदैव संघ समाज को प्रेरित करते रहे। धार्मिक ज्ञान के अभिवृद्धि के लिए उसके प्रति रुचि बढ़ाने के लिए सदैव उनकी सद प्रेरणा से विभिन्न कार्य सम्पन्न हुए।

दक्षिण प्रांतीय अध्यक्ष बाबूलाल सवानी ने कहा बचपन से बच्चों को धर्म के प्रति संस्कारों का बीजोरोपण डाला जाना चाहिए। दक्षिण प्रांतीय महामंत्री डूंगरमल चोपड़ा ने कहा इस योजना में दो वर्ष से लेकर बीस वर्ष तक के ज्ञानर्थियों को प्रवेश मिलेगा और उन्होंने एक वर्ष में सूत्र कंठस्थ करना होगा। परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक प्रकाश हिराणी ने कहा कि धर्म के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी के बिना कई बच्चे धर्म से विमुख भी होते जा रहे है। धर्मनिष्ट संस्कारों से आत्मा को पल्लवित बिना धर्ममय जीवन संभव नहीं, इसलिए इस अभिवृद्धि योजना में जुड़कर ज्ञान की अभिवृद्धि करे। इस अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक प्रकाश हिराणी एवं प्रांतीय अध्यक्ष बाबूलाल सवानी ने पुण्य सम्राट सूत्र ज्ञान अभिवृद्धि योजना के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस योजना का लाभ प्रेमादेवी मांगीलाल गांधी मुथा परिवार ने लिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय व प्रांतीय सदस्य उपस्थित थे। सचिव नेमीचंद संघवी ने सभी को धन्यवाद दिया।

सालेचा बने वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के नए अध्यक्ष, कानूंगा बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट की साधारण सभा में अक्कीपेट स्थानक में सम्पन्न हुई। सभा की शुरुआत सहमंत्री विनोद भुरट द्वारा मंगलाचरण से की गई। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा वित्तीय ब्यौरा पेश किया।

मंत्री सुरेश कानूंगा ने पिछली कार्यकाल के सभी कार्यक्रमों तथा स्थानक की गतिविधियों का तिथिवार ब्यौरा प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष गौतमचंद दुगड़, सहमंत्री विनोद भुरट, सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने अपनी बात रखी। उसके बाद उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से नेमीचंद सालेचा को अगले कार्यकाल के लिए अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने विचार विमर्श के पश्चात अन्य पदाधिकारीयों के नाम की घोषणा की जिसमें संघ संरक्षक माणकचंद बडेरा, उपाध्यक्ष प्रकाशकरण मेहता एवं केवलचंद पालरेचा, मंत्री सुरेश कानूंगा, सहमंत्री विनोद भुरट एवं कल्याण श्रीश्रीमाल कोषाध्यक्ष पारसमल श्रीश्रीमाल, सह कोषाध्यक्ष केवलचंद मोदी का सर्वसम्मति से चयन किया।

कार्यकारिणी समिति के रूप में जयंतीलाल सालेचा, भंवरलाल सालेचा, अशोक खांटेड़ दिनेश चोपड़ा व अशोक भूरट को मनोनीत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सभी के सहयोग से स्थानक की गतिविधियों को आगे बढ़ाने की बात कहीं। मंत्री सुरेश कानूंगा ने धन्यवाद दिया। संचालन सहमंत्री विनोद भूरट ने किया।

स्वच्छता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम की सदस्य उमा मुकुंद, मुकुंद कुमार, सुनील गुमास्ते,विनोदकुमार पी. पाटवा आदि की उपस्थिति में रविवार को स्वच्छता आंदोलन परिवार के सदस्यों ने स्वेच्छा से मधुरा चेतना कॉलोनी के उद्यान में साफ सफाई की तथा स्वच्छता के प्रति जागरुकता फैलाई। इस अवसर पर कॉलोनी के अनेक सदस्य परिवार उपस्थित थे।

स्कूलों में दंगों के बारे में पढ़ाने की जरूरत नहीं, यह हिंसक नागरिक पैदा कर सकता है : सकलानी

नई दिल्ली। स्कूली पाठ्यक्रम के भगवाकरण के आरोपों को खारिज करते हुए एनसीईआरटी के निदेशक ने कहा है कि स्कूली पाठ्यपुस्तकों में गुजरात दंगों और बाबरी मस्जिद गिराए जाने के संदर्भों को इसलिए संशोधित किया गया, क्योंकि दंगों के बारे में पढ़ाना हिंसक और अवसादग्रस्त नागरिक पैदा कर सकता है। यहां पीटीआई मुख्यालय में एजेंसी के संपादकों के साथ बातचीत में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने शनिवार को कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बदलाव वार्षिक संशोधन का हिस्सा है और इसे शोर-शराबे का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में गुजरात दंगों या बाबरी मस्जिद गिराए जाने के संदर्भ में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर सकलानी ने कहा, हमें स्कूली पाठ्यपुस्तकों में दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए? हम सकारात्मक नागरिक बनाना चाहते हैं, न कि हिंसक और अवसादग्रस्त व्यक्ति।

अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी के नेतृत्व में बेंगलूरु शाखा के सदस्यों की एक आवश्यक बैठक कुमारकृपा गेस्ट हाऊस(सरकारी गेस्ट हाऊस) में रखी गयी। बैठक में सभी का स्वागत अध्यक्ष कैलाश संखलेचा द्वारा किया गया। युवक महासंघ के कार्यो को आगे गति देने के उद्देश्य से अशोक गजानन, मीठालाल पावेचा, भेरूलाल दांतेवाडिया, इन्द्रचंद नाहर, अशोक भंडारी, सुरेश फोलामुथा, चम्पालाल दांतेवाडिया, महेंद्र सोलंकी, दिलीप वेदमूथा, पदमराज मेहता, गौतम चोपड़ा आदि ने अपने अपने विचार रखे।

युवक महासंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी के बताया कि अगर हम धर्म के कार्यो में जुड़ कर अपनी सेवा देंगे तो हम राजनीति में भी आगे बढ़ सकते हैं। आज मैं जो भी हूँ सब युवक महासंघ में अपनी सेवा व अपने कर्तव्यों का पालन करने से ही हूं। युवक महासंघ की भारत वर्ष में 900 से ज्यादा शाखाएं कार्यरत हैं अपने अपने स्तर पर सेवाएं दे रही है। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का बेंगलूरु शाखा की ओर से सम्मान किया गया। महासंघ के महामंत्री मनोज बाफना ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अनेक मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

गोड़वाड़ भवन में अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र बांटे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु के जैन माइनोरिटी वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से रविवार को गोड़वाड़ भवन में अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र का वितरण किया गया। इस मौके पर गोड़वाड़ भवन के कुमारपाल सिसोदिया, बसवराज, बाबूभाई मेहता की विशेष उपस्थिति में एसोसिएशन की प्रमुख रेणु रांका, गौतमचन्द ओस्तवाल, मोनिका कुमट, संजय बागरेचा, अरुण रुणवाल, उत्तमचन्द छाजेड़, माणक लुणावत, बसंती चौपड़ा आदि अनेक सदस्यों ने लगभग 50 जैन अल्पसंख्यकों को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र भेंट किया। ज्ञातव्य है कि जैन अल्पसंख्यकों को सरकार द्वारा जारी विभिन्न योजनाओं का लाभ पाने के लिए अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है।

विदेशी सहायता, आईएमएफ पैकेज पर निर्भरता समाप्त करने को प्रतिबद्ध : शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है।

शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा।

शरीफ अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे।

इंडियाज बेस्ट डांसर 4 की जज बनेंगी करिश्मा कपूर!

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर, इंडियाज बेस्ट डांसर 4 की जज के तौर पर नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि करिश्मा कपूर इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 को जज करती नजर आएंगी। इससे पहले इस मंच पर सोनाली बेंद्रे जज के तौर पर दिखाई दे रही थी। वहीं शो के पहले और दूसरे सीजन में मलाइका अरोड़ा जज के तौर पर नजर आयी थी। मेकर्स करिश्मा कपूर से बातचीत कर रहे हैं हो सकता है उन्हें इसके लिए फाइनल कर लिया जाए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com